



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 1, 2006/फाल्गुन 10, 1927

No. 39]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 1, 2006/PHALGUNA 10, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2006

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** पोलैंड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यूएसए और यूरोपीय संघ से ऑक्सो अल्कोहल के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में निर्णायक समीक्षा।

सं. 15/9/2003-डीजीएडी.—चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान) उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) 17.7.2000 के अधिसूचना सं० 15/1/99- डीजीएडी के तहत ऑक्सो अल्कोहल के कुछ एक स्वरूपों अर्थात् पोलैंड, कोरिया गणराज्य, इण्डोनेशिया, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यूएसए और यूरोपीय संघ से नॉर्मल ब्यूटानॉल (एनबीए), आइसो ब्यूटानॉल (आईबीए), 2-इथायल हेक्सानॉल (2-ईएचए), आइसो डेकानॉल, आइसो ऑक्टानॉल और नॉर्मल हेक्सानॉल के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए अपने अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे। 18 अगस्त, 2000 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं० 109/2000-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। माननीय सी.शु., उ.शु. और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट) के 11.4.2001 के आदेशों के अनुसार उक्त सीमाशुल्क अधिसूचना में आंशिक संशोधन किया गया था और इन आदेशों के अनुसार अन्य बातों के साथ-साथ नॉर्मल हेक्सानॉल को उक्त सी.शु. अधिसूचना से हटा दिया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की थी और पोलैंड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यूएसए और यूरोपीय संघ (जिन्हें सम्बद्ध देश भी कहा गया है) से सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के उपशीर्ष 2905 के अंतर्गत आने वाले एसाइक्लिक अल्कोहलों (ऑक्सोअल्कोहल) अर्थात् 2-ईएचए, एनबीए, आईबीए और

आइसो ऑक्टानोल (जिन्हें आगे सम्बद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए 26.2.2004 की अधिसूचना सं० 40/1/2001- डीजीएडी (16.3.2004 के शुद्धि पत्र द्वारा संशोधित) द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे (इन सिफारिशों के अनुसार कोरिया गणराज्य तथा इण्डोनेशिया के संबंध में पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया गया था)। मध्यावधि समीक्षा के अंतिम जांच परिणामों में की गयी सिफारिशों के अनुसार 20 अप्रैल, 2004 की अधिसूचना सं० 57/2004- सी.शु. के तहत पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. और चूंकि, मै. आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि., विशाखापत्तनम ने सम्बद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए एक याचिका दायर की थी और ऑक्सो अल्कोहल के कुछेक स्वरूपों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क जारी रखने का अनुरोध किया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात की समीक्षा करने के लिए 6 दिसम्बर, 2000 की अधिसूचना द्वारा निर्णायक समीक्षा शुरू की थी कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान) उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों का पाटन और उससे होने वाली क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। दिनांक 20.4.2004 की सी.शु. अधिसूचना 57/2004 के अनुसार पाटनरोधी शुल्क अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख अर्थात् 27 जनवरी, 2000 से 4 वर्ष की अवधि तक लागू किया गया था। 6.12.2004 को निर्णायक समीक्षा की शुरुआत और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 9क(5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने 16 सितम्बर, 2005 की अधिसूचना सं० 84/2005- सी.शु. के तहत पाटनरोधी शुल्क की अवधि को बढ़ाकर 26 जनवरी, 2006 कर दिया था।

#### क. मूल जांच

3. मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची- 1 के उपशीर्ष 2905 के अंतर्गत आने वाले पॉलैण्ड, दक्षिण कोरिया, इण्डोनेशिया, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यूएसए और यूरोपीय संघ के मूल के या वहाँ से निर्यातित ऑक्सो अल्कोहल के कुछेक स्वरूपों के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। प्रारंभिक जांच परिणाम 3.12.1999 की अधिसूचना सं० 15/1/99 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और संबद्ध वस्तु पर अनंतिम शुल्क 27 जनवरी, 2000 की सी.शु. अधिसूचना सं० 6/2000 द्वारा लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 17.7.2000 की सं० 15/1/99- डीजीएडी के तहत अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे तथा सीमाशुल्क विभाग द्वारा 18 अगस्त, 2000 की अधिसूचना सं० 109/2000-सी.शु. के अनुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था जिसे माननीय सी.शु., उ.शु. और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट) के 11.4.2001 के आदेशों के अनुसार आंशिक रूप से संशोधित किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की थी और पॉलैण्ड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यूएसए और यूरोपीय संघ से सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के उपशीर्ष 2905 के अंतर्गत आने वाले एसाइक्लिक अल्कोहलों (ऑक्सोअल्कोहल) अर्थात् 2- ईएचए, एनबीए, आईबीए और आइसो ऑक्टानोल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए 26.2.2004 की अधिसूचना सं० 40/1/2001- डीजीएडी (16.3.2004 के शुद्धि पत्र द्वारा संशोधित) द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे (कोरिया गणराज्य तथा इण्डोनेशिया के संबंध में किसी शुल्क की सिफारिश नहीं की गयी थी)। मध्यावधि समीक्षा के अंतिम जांच परिणामों में की गयी सिफारिशों के अनुसार 20 अप्रैल, 2004 की अधिसूचना सं० 57/2004- सी.शु. के तहत पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

**ख. प्रक्रिया**

4. इस निर्णायक समीक्षा जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के दूतावासों, भारत में ईसी के प्रतिनिधिमंडल, घरेलू उद्योग, उपलब्ध सूची के अनुसार निर्यातकों तथा आयातकों को 6 दिसम्बर, 2004 की जांच संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी थी और अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था।

(ii) उपर्युक्त नियम 6 के उप नियम (3) के अनुसार उपर्युक्त नियम 6 के उप नियम (4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों और भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन की प्रति उपलब्ध करायी। प्राधिकारी ने इस समीक्षा की शुरुआत की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भी भेजी :

1. मै. जैक  
जैकलेली एजोटोव कियोजियरिजन सा,  
एसकेआर, प्वॉयजवोता 163, 47220,  
केदजीजिन कोज्जे  
पोलैण्ड
2. अर्क पेट्रोकेमिकल कम्पनी  
नं. 767, इनघेलब स्ट्रीट  
तेहरान  
ईरान
3. अल- जुबैल फर्टिलाइजर्स कंपनी  
पो.बॉ.- 10046  
( एसएबीआईसी )  
अल- जुबैल 31961  
सऊदी अरब
4. सऊदी बेसिक इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन (एसएबीआईसी)  
पो. बॉ.- 5101  
रियाद 11422  
किंगडम ऑफ सऊदी अरब
5. हल्स एक्तिएनजेसेलशाफ्ट  
बिल्डिंग 1122/04  
डी-45764, मार्ल,  
जर्मनी

6. बीएसएफ एजी  
इंडस्ट्रियल कैमिकल डिवीजन,  
सीआईडब्ल्यू/एलजी- ई100, डी- 67056  
लुडविगसेफेन  
फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी
7. हेल्म एजी  
नॉर्डकनेल्स्टरेसी 28,  
डी- 20097, हैम्बर्ग,  
जर्मनी
8. केमिस्क वेरके हुल्स मार्ल  
फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी
9. ईस्टमेन कैमिकल कम्पनी  
पो.बॉ.- 431,  
किंग्सपोर्ट, टेनेसी 37662  
यूएसए
10. आइसीसी कैमिकल कॉर्पोरेशन  
720 फिफ्थ एवेन्यू,  
न्यूयॉर्क 110019, यूएसए
11. विनमर इंटरनेशनल लि.  
16800 इम्पीरियल वैली ड्राइव,  
सूट 499,  
ह्यूस्टन टेक्सास  
यूएसए
12. यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन  
39- ओल्डरेडगेबरी रोड,  
डेनबरी, सी.टी. 068170001  
यूएसए
13. आर्टिस्टिक केमिकल कॉर्पोरेशन  
पसडेना  
टेक्सास, यूएसए
14. नेस्ते केमिकल्स  
नेस्ते ऑक्सो एबी  
एस 444, स्टेनंगसंड

## स्वीडन

15. ओक्सेनो ओलेफिनकेमी गंभ  
पॉल बॉमन स्ट्रीट 1  
डी- 45764 मार्ल  
पॉल बॉमन, स्ट्रेब 1,  
फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी
16. देगुसा इंडिया प्रा. लि.  
12 ए/ए (13वाँ तल), बख्तावर  
229, नरीमन प्वाइंट  
मुम्बई- 400021
17. मै. ईरान पेट्रोकेमिकल्स कमर्शियल कंपनी,  
99-ए, मेकर टॉवर "एफ" नवाँ तल  
कफ पैरेड, कोलाबा  
मुम्बई- 400005
18. मि. मोहम्मद एहतियाती  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,  
मै. ईरान पेट्रोकेमिकल्स कमर्शियल कम्पनी,  
नं. 1339, वली असर एवेन्यू  
वनक स्क्वेयर के ऊपर  
जिप कोड 19697,  
पो.बॉ. 19395/4619,  
तेहरान, ईरान
19. मै. निजनेकमस्क नेफ्टेखिम  
निजनेकमस्क  
टेटरेस्टन गणराज्य  
423550 रूस  
जनरल डायरेक्टोरेट ऑफिस

(iii) सम्बद्ध वस्तु के आयातों के आंकड़ों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था;

(iv) सम्बद्ध देशों के दूतावास एवं भारत में इसी के प्रतिनिधिमंडल को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचना दी गयी थी तथा उनसे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, आवेदन एवं प्रश्नावली की प्रति उन्हें भी भेजी गयी थी;

(v) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में सम्बद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/उद्योग एसोसिएशनों को प्रश्नावली भेजी गयी थी :

1. केएलजी प्लास्टीसाइजर्स  
केएलजी हाऊस,  
63, रमा मार्ग,  
कीर्ति नगर के निकट,  
नई दिल्ली- 110015
2. पीसीएल ऑयल एंड सोल्वेंट्स लि.,  
एम 105, कनॉट प्लेस,  
द्वितीय तल,  
नई दिल्ली 110001
3. इंडो निप्पन केमिकल कंपनी लि.  
मेकर भवन 2,  
18, न्यू मेरीन लाइन्स  
मुम्बई 400020
4. विजन आर्गेनिक्स प्रा. लि.,  
ए/2, स्वागत,  
ओवरसीज एवेन्यू के पीछे  
नतुभाई सेंटर के निकट,  
रेस कोर्स सर्कल,  
बड़ौदा 390007
5. लुबरिजोल इंडिया प्रा. लि.,  
वीआईपी हाऊस, द्वितीय तल,  
88-सी, ओल्ड प्रभादेवी रोड,  
मुम्बई- 400025
6. एपीआई इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन  
108, शाहजहाँ रोड एक्सटेंशन,  
ओल्ड रोहतक रोड,  
दिल्ली 110035
7. सी जे शाह एंड कंपनी  
105 बजाज भवन,  
10वाँ तल,  
नरीमन प्वाइंट  
मुम्बई 400021

8. विकास ऑर्गेनिक्स प्रा. लि.,  
34/1 विकास अपार्टमेंट्स,  
ईस्ट पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली 110026
9. पायल पॉलीमर्स,  
ई 24, नेताजी सुभाष मार्ग,  
दरियागंज  
नई दिल्ली 110002
10. टेक्सपो ट्रेडिंग प्रा. लि.  
मुस्तफा बिल्डिंग, पाँचवाँ तल  
सर पीएम रोड, मुम्बई 400001
11. गल्जॉय इंडस्ट्रीज लि.,  
नहाता भवन  
चोपसानी रोड  
जोधपुर, राजस्थान
12. एन. के. पॉलीमर्स एंड एडीटिव्स मैन्यू. कॉर्पो.  
37/2, रिंगनवाडा,  
दमन
13. सिल्वेसा प्लास्ट केएलजे हाऊस  
63, रमा मार्ग,  
नजफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली- 110015
14. के.एल.जी. पॉलीमर्स एंड केमिकल्स लि.  
केएलजी हाऊस,  
63, रमा मार्ग,  
नजफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली- 110015
15. रचना प्लास्टीसाइजर्स  
शाह हाऊस, प्लॉट नं. 142,  
एस.वी. रोड, खर (प.)  
मुम्बई- 400052

16. इंडियन प्लास्टीसाइजर्स मैनु. एसोसिएशन,  
" केएलजी हाऊस "  
63, रमा मार्ग (नजफगढ़ रोड),  
नई दिल्ली- 110015

(vi) कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया था जिसकी प्राधिकारी ने अनुमति दी थी;

(vii) प्राधिकारी ने 26 अगस्त 2005 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया था। पक्षकारों को सलाह दी गयी थी कि वे विरोधकर्ता पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियाँ ले लें और खण्डन यदि कोई हो प्रस्तुत करें;

(viii) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल अनुरोध करने पर निरीक्षण हेतु सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध करायी;

(ix) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निर्णायक समीक्षा की शुरुआत के बाद, सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात और प्रकटन विवरण के उत्तर में दिए गए तर्कों पर इन जांच परिणामों में समुचित कार्रवाई की गई है;

(x) उपर्युक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का खुलासा प्रकटन विवरण के जरिए 21 नवम्बर, 2005 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष किया गया था। इस पर प्राप्त टिप्पणियों की जांच की गयी थी और प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती प्रकटन विवरण पत्रों में आंशिक संशोधन करते हुए 9 जनवरी, 2006 को एक अन्य प्रकटन विवरण जारी किया था। दोनों प्रकटन विवरणों पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इन जांच परिणामों में विचार किया गया है;

(xi) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएपीपी) और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत तथा उसको बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग के मौके पर सत्यापन (जैसा कि आवश्यक समझा गया) सहित लागत संबंधी जांच भी की गयी थी;

(xii) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सऊदी अरब के निर्यातक मै. एसएबीआईसी और उत्पादक मै. एसएमएडी द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया गया था;

(xiii) \*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है;



(xiv) जांच में 1 अक्टूबर, 2003 से 30 सितम्बर, 2004 तक की अवधि शामिल थी। क्षति विश्लेषण में जांच अवधि के अलावा तीन पूर्ववर्ती वर्ष 2001-02, 2002-03 और 2003-04 शामिल थे;

(xv) जांच शुरुआत संबंधी सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन हेतु फिक्की, सीआईआई, एसोचैम आदि को भी भेजी गयी थी।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

5. मूल जांच में आरंभिक चरण में जांच के क्षेत्र में ऑक्सो अल्कोहल के निम्नलिखित स्वरूपों को शामिल किया गया था :

- (i) 2- इथायल हेक्सानॉल
- (ii) नॉर्मल ब्यूटानॉल
- (iii) आइसो ब्यूटानॉल
- (iv) आइसो ओक्टानॉल
- (v) आइसो डेकानॉल
- (vi) नॉर्मल हेक्सानॉल
- (vii) हेप्टानॉल
- (viii) नोनानॉल
- (ix) ट्राई- डेकानॉल
- (x) 2-प्रोपायल हेप्टानॉल

दिनांक 3.12.1999 के प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने जांच को केवल नॉर्मल ब्यूटानॉल, आइसो ब्यूटानॉल, आइसो डेकानॉल, आइसो ओक्टानॉल, 2- इथायल हेक्सानॉल और नॉर्मल हेक्सानॉल तक ही सीमित करने का निर्णय लिया था। प्राधिकारी ने इस आधार पर अल्कोहल के इन स्वरूपों तक जांच सीमित करने का निर्णय लिया था कि ये एक मात्र ऐसे स्वरूप हैं जिनका घरेलू उद्योग द्वारा जांच अवधि के दौरान उत्पादन या उसका आयात अथवा दोनों किया जा रहा था। प्राधिकारी द्वारा इस स्थिति को 17.7.2000 के अंतिम जांच परिणामों में दोहराया गया था।

एक अपील में सेस्टेट (पूर्ववती सीगैट) के आदेशों के परिणामस्वरूप पाटनरोधी शुल्क ऑक्सो अल्कोहल के निम्नलिखित पाँच स्वरूपों पर लागू किया गया था :

- (i) नॉर्मल ब्यूटानॉल
- (ii) आइसो ब्यूटानॉल
- (iii) 2-इथायल हेक्सानॉल
- (iv) आइसो ओक्टानॉल
- (v) आइसो डेकानॉल

दिनांक 26.2.2004 की अधिसूचना सं० 40/1/2001-डीजीएडी के तहत अधिसूचित मध्यावधि समीक्षा जांच परिणामों (जिन्हें 16.3.2004 के शुद्धि पत्र द्वारा संशोधित किया गया था) में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एसाइक्लिक अल्कोहल (ऑक्सो अल्कोहल) अर्थात् 2- ईएचए, एनबीए, आईबीए और आइसो ओक्टानॉल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की थी। वर्तमान निर्णायक समीक्षा में प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार माना है : " वाणिज्यिक और तकनीकी बोलचाल में ऑक्सो अल्कोहल के रूप में ज्ञात तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सी. शु. उपशीर्ष सं० 2905 के अंतर्गत परिभाषित निम्नलिखित एसाइक्लिक अल्कोहल और उनकी हैलोजेनेटेड, सल्फोनेटेड, नाइट्रेटेड या नाइट्रोसेटेड व्युत्पत्तियाँ हैं :

- (i) 2-इथायल हेक्सानॉल (2ईएचए)
- (ii) नॉर्मल ब्यूटानॉल
- (iii) आइसो ब्यूटानॉल (आईबीए)
- (iv) आइसो ओक्टानॉल "

सम्बद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के उपशीर्ष सं० 2905 के अंतर्गत आती है। तथापि, ये वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान समीक्षा जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि इंदु निशान ऑक्सोकोमिकल इंडस्ट्रीज ने आइसो डेकानॉल का उत्पादन और बिक्री पुनः शुरू कर दी है इसलिए इसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे में लाया जा सकता है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने ऑक्सोअल्कोहल की दूसरी जांच में नोनानॉल तथा आइसोनोनानॉल को सामान्य वस्तु माना है। नोनानॉल और आइसोनोनानॉल को भी इसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे में लाया जाना चाहिए। निर्यातक मै. एसएबीआईसी और आयातक अर्थात् आईपीएमए एवं लुब्रीजोल इंडिया प्रा. लि. ने यह तर्क दिया है कि चूंकि इस समय पाटनरोधी शुल्क केवल 2-ईएच, आईबीए, एनबीए और आइसोओक्टानॉल पर लागू किया जा रहा है इसलिए वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र को केवल इन्हीं चार ऑक्सोअल्कोहल तक सीमित किया जाएगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. इंदु निशान ने यह सूचना देते हुए 16.1.2005 को एक पत्र प्रस्तुत किया था कि उन्होंने जनवरी, 2005 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है। प्राधिकारी ने पाया है कि मै. इंदु निशान ने काफी पहले की अवधि से लेकर वर्ष 1999 तक उत्पादन स्थगित रखा था। इस समीक्षा हेतु जांच की अवधि अक्टूबर, 2003 से सितम्बर, 2004 तक की है जिसके दौरान इंदु निशान उत्पादन नहीं कर रहा था। इंदु निशान से संबंधित उत्पादन लागत एवं अन्य क्षति मापदण्ड से संबंधित सूचना न तो प्रस्तुत की गयी है और न ही उपलब्ध है। प्राधिकारी इस स्तर पर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में आइसोडेकानॉल को शामिल करना औचित्यपूर्ण नहीं मानते हैं। जहाँ तक नोनानॉल एवं आइसो नोनानॉल को शामिल करने के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी का यह विचार है कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा इस बात की जांच करने के लिए की गयी है कि क्या मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसके पुनरावृत्ति होने की संभावना है। मूल जांच एवं मध्यावधि समीक्षा के अनुसार नोनानॉल एवं आइसो नोनानॉल पर कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है। इस प्रकार प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नोनानॉल एवं आइसो नोनानॉल को लाने में कोई औचित्य नहीं पाते हैं। अतः प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के बारे में निम्नानुसार निर्णय लिया है :

" वाणिज्यिक और तकनीकी बोलचाल में ऑक्सो अल्कोहल के रूप में ज्ञात तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सी.शु. उपशीर्ष सं० 2905 के अंतर्गत परिभाषित निम्नलिखित एसाइक्लिक अल्कोहल और उनकी हैलोजेनेटेड, सल्फोनेटेड, नाइट्रेटेड या नाइट्रोसेटेड व्युत्पत्तियाँ हैं :

- (i) 2-इथायल हेक्सानॉल (2ईएचए)
- (ii) नॉर्मल ब्यूटानॉल
- (iii) आइसो ब्यूटानॉल (आईबीए)
- (iv) आइसो ओक्टेनॉल ;  
(आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है)

समान वस्तु के बारे में कोई प्रतिकूल तर्क नहीं दिया गया है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ऑक्सो अल्कोहल अर्थात् 2-ईएचए, एनबीए और आईबीए को संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना है।

#### घ. घरेलू उद्योग

6. ऑक्सोअल्कोहल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने मूल जांच में घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै. इंदुनिशान ऑक्सो कैमिकल इंड. लि., मुम्बई; नेशनल ऑर्गेनिक कैमिकल इंड. लि., मुम्बई और आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि., हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया था। मै. इंदुनिशान ऑक्सो कैमिकल इंड. लि., मुम्बई और मै. नोसिल, मुम्बई ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन स्थगित कर दिया है। मै. इंदुनिशान ने जनवरी, 2005 में उत्पादन पुनः शुरू करने का उल्लेख किया है। तथापि, जांच अवधि के लिए उत्पादन के ब्यौरे, लागत, अन्य क्षति मापदण्डों से संबंधित कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गयी है क्योंकि वे उस अवधि के दौरान उत्पादन नहीं कर रहे थे। मै. आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि. (एपीएल, विशाखापत्तनम) द्वारा संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने 26.2.2004 की अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना द्वारा संपन्न मध्यावधि समीक्षा में घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व किया था और उन्होंने इस निर्णायक समीक्षा के लिए भी आवेदन किया है। प्राधिकारी ने आवेदक मै. आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स लि. पर उपर्युक्त नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व किए जाने के लिए विचार किया है।

#### ड. समीक्षा की शुरुआत, प्राप्त उत्तर एवं दिए गए तर्क :

7. जांच शुरुआत के उत्तर में निम्नलिखित से उत्तर प्राप्त हुए हैं :

##### (क) निर्यातक

(i) सऊदी अरब के मै. सऊदी बेसिक इंड. कॉर्पोरेशन (एसएबीआईसी)- निर्यातक और मै. अल जुबैल फर्टिलाइजर कंपनी (एसएएमएडी और अब अल बेरोनी के रूप में ज्ञात)- उत्पादक,

(ii) बीएसएफ एजी, जर्मनी ने सूचित किया है कि उन्होंने मामला शुरू होने से पूर्व और उसके बाद तथा उपायों की वैधता अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से भारत में जांचाधीन उत्पादों में से किसी भी उत्पाद की कोई खेप नहीं भेजी थी। तथापि, औपचारिक प्रक्रिया के रूप में बीएसएफ भावी खेपों के मामले में नई समीक्षा दायर करने के अपने अधिकारों को सुरक्षित रखेगा।

**(ख) आयातक/एसोसिएशन**

निम्नलिखित आयातकों/एसोसिएशन ने उत्तर प्रस्तुत किया है :

- (i) इंडियन प्लास्टीसाइजर्स मैन्यू. एसोसिएशन (आईपीएमए)
- (ii) केएलजी प्लास्टीसाइजर्स
- (iii) एसएलजे पॉलीमर्स एंड कैमिकल्स लि.
- (iv) सिल्वासा प्लास्ट
- (v) लुब्रीजोल इंडिया प्रा. लि.
- (vi) पीसीएल ऑयल एंड सॉल्वेंट्स लि.

**(ग) घरेलू उद्योग**

मै. एपीएल के जरिए घरेलू उद्योग

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन से संबंधित दावों की जांच

**8. घरेलू उद्योग के तर्क**

- (i) निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर से यह देखा जा सकता है कि भारत को निर्यात बिक्रियों में कई गुना वृद्धि हुई है जबकि तीसरे देशों को किए गए निर्यातों में कमी आयी है। कंपनी के उत्पादन, अंतिम स्टॉक, कैप्टिव अंतरण में गिरावट आयी है। इससे पाटन में वृद्धि होने तथा वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में आगे और पाटन किए जाने की संभावना का पता चलता है।
- (ii) एसएबीआईसी द्वारा भारत को निर्यात संबंधित सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किए जा रहे हैं। एसएएमएडी द्वारा अपनी सहयोगी कंपनी से प्रोपीलीन की खरीद की जा रही है। विचारित अंतरण कीमत स्पष्टतः उत्पादन की संबद्ध लागत है। केवल इस वजह से कि उत्पादक सहयोगी आपूर्तिकर्ता की उत्पादन लागत पर प्रोपीलीन की खरीद करने में सक्षम है और यह कि एसएबीआईसी पूर्ण कमीशन वसूल नहीं कर रहा है (अप्रत्यक्ष एसजीए, ब्याज और लाभ भुगतान किए जाने वाले कमीशन से काफी अधिक है) से यह नहीं कहा जा सकता कि उत्पाद का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर नहीं किया जा रहा है।
- (iii) याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 2.4.2 की ओर ध्यान आकृष्ट किया है और यह बताया है कि एसएबीआईसी के मामले में जांच की समूची अवधि के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना निर्यात कीमत से किया जाना ऐसी किसी स्थिति में उचित नहीं होगा जिसमें

जांच अवधि के भीतर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत दोनों में पर्याप्त वृद्धि हुई हो। याचिकाकर्ता ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह उन महीनों के लिए मासिक सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं जिन महीनों में भारत को निर्यात किए गए हैं और उनकी तुलना संगत अवधि की निर्यात कीमत के साथ कर सकते हैं।

- (iv) पोलैण्ड, दक्षिण कोरिया, इण्डोनेशिया, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यूएसए और यूरोपीय संघ के उत्पादकों द्वारा भारत में ऑक्सो अल्कोहलों का पाटन किया जा रहा था। इन देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से कुछेक संबद्ध देशों के उत्पादकों ने भारत को निर्यात बंद कर दिया जिससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि ये उत्पादक पाटन का सहारा लिए बिना भारत को निर्यात नहीं कर सकते हैं। कुछेक देशों ने भारत के निर्यात जारी रखे हैं। तथापि, सामान्य मूल्य के अनुमानों से यह देखा जाएगा कि ये निर्यात पाटित कीमतों पर किए गए हैं।
- (v) संबद्ध देशों के घरेलू बाजार में ऑक्सो अल्कोहल की प्रचलित कीमतों के बारे में सूचना प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। तथापि, उनके घरेलू बाजार में संबद्ध अल्कोहल की कीमतों के बारे में कोई उचित एवं प्रमाणिक सूचना प्राप्त नहीं की जा सकी। याचिकाकर्ता ने उन कीमतों के बारे में भी सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया जिन कीमतों पर संबद्ध देशों के निर्यातकों ने भारत से भिन्न देशों को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया गया हो सकता है। याचिकाकर्ता इन कीमतों के बारे में भी कोई प्रमाणिक सूचना प्राप्त करने के बारे में समर्थ नहीं रहा है।
- (vi) अतः याचिकाकर्ता ने इन देशों में संबद्ध अल्कोहल की परिकलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

#### पाटन की संभावना- पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना का दर्शाने वाले कारक

##### आयातों का काफी अधिक बाजार हिस्सा :

(vii) संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा पहले से ही काफी अधिक है। संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है। सऊदी अरब से आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। एसएबीआईसी सऊदी अरब का एकमात्र उत्पादक है। एसएबीआईसी ने भारत को अपनी निर्यात बिक्री में वृद्धि की है जैसा कि उत्तर से देखा जाता है। शुल्क लगाने के बाद भी सऊदी अरब से आयातों में 192% की वृद्धि हुई है। वर्तमान समीक्षा जांच की जांच अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में 8% की वृद्धि हुई है।

(viii) ऐसी किसी स्थिति में जहाँ (क) सऊदी अरब से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क में कमी किए जाने के परिणामस्वरूप आयात की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है; (ख) पाटनरोधी शुल्क के उचित स्तर को लगाए जाने से आयात की मात्रा में तेजी से गिरावट आयी है; और (ग) उक्त ऐसे देश से अल्कोहल के उक्त प्रकार के लिए आयातों की सूचना दी जा रही है जहाँ पाटनरोधी शुल्क शून्य है अथवा पाटनरोधी शुल्क का स्तर अत्यंत कम है, यह माना जाता है कि शुल्क समाप्त किए जाने से भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु की भरमार हो जाएगी।

##### वर्तमान पाटन मार्जिन का स्तर

(ix) इन अनुरोधों में दिए गए पाटन मार्जिन के अनुमानों से यह स्पष्ट हो जाता है कि संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल निर्धारित सीमाओं से अधिक है बल्कि काफी अधिक भी है। पूर्व में संपन्न जांच में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अत्यधिक पाटन मार्जिन पाया था।

## विदेशी उत्पादकों का निर्यात-मुख होना

(x) संबद्ध देशों में निर्यातकों ने अपनी घरेलू मांग से अधिक क्षमताओं का निर्माण किया है। इन स्रोतों से पर्याप्त उत्पादन का निर्यात किया जाता है। जैसा कि एसएबीआईसी द्वारा प्रस्तुत उत्तर से देखा जा सकता है, कंपनी की कोई घरेलू खपत नहीं है। समग्र उत्पादन निर्यात के लिए होता है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

#### सऊदी अरब के लिए सामान्य मूल्य

9. घरेलू उद्योग ने निर्णायक समीक्षा हेतु दिए गए आवेदन में सऊदी अरब के लिए सामान्य मूल्य के अनुमान दिए थे। सऊदी अरब के निर्यातक और आयातक द्वारा यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने प्रमुख कच्ची सामग्री प्रोपीलीन की कीमत के लिए अलग अवधि को अपनाया है तथा खपत मानदण्ड काफी अधिक हैं जिससे अत्यधिक सामान्य मूल्य का पता चलता है। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने सऊदी अरब के लिए प्रोपीलीन की कीमत ईयू और यूएसए की कीमत से काफी अधिक स्वीकार की है जबकि खाड़ी में होने के कारण सऊदी अरब के लिए यह सबसे कम होनी चाहिए जहाँ उसे परिवहन की उच्च लागत नहीं उठानी पड़ती है। इसके अलावा, सऊदी अरब के लिए घरेलू उद्योग ने दक्षिण पूर्व एशिया में प्रचलित कीमत स्वीकार की है जो सर्वोच्च है। इसके अलावा ये कीमतें सीएफआर अर्थात् सुपुर्दगी कीमतें हैं। खाड़ी से प्रोपीलीन की दुलाई लागत काफी अधिक लगभग 200 अम.डा. प्रति मी. टन है। याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के प्रथम 6 महीनों के लिए प्रोपीलीन के कीमत के आंकड़ों का भी उपयोग नहीं किया जब कीमतें जांच अवधि की दूसरी छमाही अर्थात् अप्रैल-सितम्बर, 2004 के दौरान पर्याप्त कम थीं। दूसरी कच्ची सामग्री सिनगैस के लिए भी याचिकाकर्ता ने सिनगैस प्राप्त करने हेतु नैफ्था के उपयोग के आधार पर गलत अनुमान लगाया है। सऊदी अरब में उत्पादक सिनगैस भाप की प्रतिक्रिया से प्राकृतिक गैस से प्राप्त करता है। याचिकाकर्ता ने अन्य कच्ची सामग्री की लागत और परिवर्तन लागत घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर निकाली है। घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत की अन्य देशों के साथ तुलना किसी साक्ष्य अथवा औचित्य के बिना नहीं की जा सकती।

10. निर्यातक मै. सऊदी बेसिक इंड. कार्पोरेशन (एसएबीआईसी) और उत्पादक मै. अल जुबैल फर्टिलाइजर कंपनी (एसएएमएडी), सऊदी अरब ने प्रश्नावली में उत्तर प्रस्तुत किया है। कंपनी 2-ईएचए का उत्पादन करती है। अधिकारी ने उत्पादक और निर्यातक की सूचना का सत्यापन सऊदी अरब स्थित उनके संयंत्र और कार्यालय में भी किया है।

11. सत्यापन रिपोर्ट और प्रकटन विवरणों के उत्तर में मै. एसएबीआईसी तथा उत्पादक मै. एसएएमएडी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नलिखित मुद्दे उठाते हुए टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं :

#### **(क) प्रोपीलीन की दुलाई पर भाड़े के लिए समायोजन**

उत्पादक ने मांग की है कि खाड़ी से उत्तर पूर्व एशिया तक प्रोपीलीन की दुलाई पर भाड़े के लिए समायोजनों को 150 अम. डा. से संशोधित कर 195 अम. डा. या कम से कम 170 अम. डा. कर दिया जाए।

(ख) सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देशों के लिए निर्यात कीमत के आधार पर करना होगा निर्यातक ने विचाराधीन उत्पाद की कोई घरेलू बिक्री नहीं की थी और उन्होंने तीसरे देश की निर्यात कीमत को सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु आधार माने जाने का दावा किया था। निर्यातक ने तीसरे देश की निर्यात कीमत पर विचार न करने और उत्पादन लागत जमा एसजीए एवं लाभ के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के डीजीएडी के तर्क का विरोध किया है। निर्यातक के अनुसार उत्पादन लागत का समायोजन प्राधिकारी द्वारा किया जाना चाहिए और संशोधित उत्पादन लागत के आधार पर व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच तीसरे देश की निर्यात कीमतों पर लागू की जा सकती है। निर्यातक के तर्क के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु तीसरे देश की निर्यात कीमत को उत्पादन लागत में किसी भी प्रभार की वजह से अप्रतिनिधिक नहीं माना गया है। निर्यातक ने अनुरोध किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की निर्यात कीमत के आधार पर किया जाए और इस पद्धति की अनदेखी करना सही नहीं हो सकता है और इसके अलावा यदि कोरिया और पाकिस्तान या किसी अन्य तीसरे देश को हुए निर्यातों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जाता है तो इससे यह सिद्ध होगा कि 2-ईएचए का पाटन भारत में नहीं किया गया था।

ग. सीएनवी में प्रयुक्त लाभ संबंधी आंकड़े गलत हैं

निर्यातक के अनुसार कोरिया को हुए निर्यातों के लिए संबंधित उत्पाद हेतु लाभ को हिसाब में लिया जाए या विकल्पतः प्राधिकारी द्वारा निर्धारित \*\*\*% के लाभ मार्जिन की बजाय \*\*\*% के लाभ मार्जिन पर विचार किया जाए।

12. निर्यातक द्वारा उठाए गए मुद्दों पर निम्नानुसार विस्तार से विचार किया गया था :

(i) 2 ई एच ए के लिए उत्पादन लागत

उत्तर के अनुसार, उत्पादक/निर्यातक सऊदी अरब ने 2 ई एच ए की कोई घरेलू बिक्रियाँ नहीं की थीं। निर्यात एसए बी आई सी द्वारा किए गए हैं - जिन्होंने भारत और तीसरे देशों अर्थात् ईरान, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य और नेपाल को निर्यातों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। कंपनी द्वारा यह सूचना दी गयी थी कि एक प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् प्रोपिलीन एक संबंधित कंपनी से लागत आधार पर खरीदा जाता है। प्राधिकारी ने प्रोपिलीन की एक संबद्ध कंपनी द्वारा एक स्वतंत्र/असंबद्ध क्रेता को की गई बिक्रियों के बारे में सूचना मंगाई थी। तथापि यह सूचना उपलब्ध नहीं थी और निर्यातक ने यह सूचना दी कि प्रोपिलीन के संबंधित उत्पादक ने किसी स्वतंत्र या असंबद्ध उपभोक्ता को प्रोपिलीन की बिक्रियाँ नहीं की है। संबद्ध कंपनी ने इसके उत्पादन लागत संबंधी आंकड़े भी प्रस्तुत नहीं किए हैं। उत्पादन लागत की सूचना के सत्यापन से यह पता चला है कि प्रोपिलीन की उत्पादन लागत 2 ई एच की उत्पादन लागत का एक बड़ा हिस्सा है। उत्पादक के रिकार्डों में यथा प्रदर्शित प्रोपिलीन की लागत पर विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि ये एक संबंधित कंपनी से खरीदी गई थी और उत्पादक की उत्पादन लागत के रिकार्ड पाटनरोधी नियमावली (पाटनरोधी करार का अनुच्छेद 2.1.1.1) के अनुबंध 1 के पैरा 1 की अपेक्षानुसार 2 ई एच की उत्पादन लागत को तर्कसंगत ढंग से नहीं दर्शाते हैं। 2 ई एच ए की उत्पादन लागत के संबंध में उत्पादक के रिकार्डों के अनुसार प्रोपिलीन की लागत पर विचार नहीं किया गया था क्योंकि ये संबद्ध कंपनी से खरीदी गई थी और इससे उत्पादन लागत तर्क संगत ढंग से प्रदर्शित नहीं होती है। इसके बजाय उत्पादक ने प्रोपिलीन की लागत पर विचार करने के आधार के रूप में आई सी आई एस एल ओ आर द्वारा प्रकाशित आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। जिन्हें प्राधिकारी द्वारा 2 ई एच ए की उत्पादन लागत के निर्धारण के लिए प्राधिकारी द्वारा प्रयोग किया गया है। प्रोपिलीन की खरीद

की निवेश लागत जो एस ए एम ए डी की ह्रासमान लागत का हिस्सा थी, को उत्पादन के लिए आबंटित कुल ह्रास से अलग रखा गया है। जहाँ तक बेची गई मात्रा पर धारक कंपनी, एस ए बी आई सी को प्रदत्त विपणन शुल्क का संबंध है, उसे बिक्री की कुल लागत का हिस्सा माना गया है और इस पर बिक्री लागत के हिस्से के रूप में विचार किया गया है। यह ए डी ए के अनुच्छेद 2.2 के अनुक्रम में है जिसमें सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम के देश में उत्पादन लागत तथा प्रशासनिक बिक्री तथा सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए तर्कसंगत राशि जोड़ते हुए किया जाता है। पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए सामान्य मूल्य तथापि (एन बी) और निर्यात कीमत (ई पी) की तुलना में प्रयोजनार्थ यदि विपणन शुल्क के अलग रखने के लिए ई पी को समायोजित किया जाता है तो एन वी से समायोजन करने होंगे।

उत्पादक ने खाड़ी से उत्तर-पूर्व एशिया तक प्रोपिलीन के परिवहन के लिए 195 अमरीकी डालर पी एम टी के मालभाड़े का दावा किया था। 195 अम.डा. पी एम टी के समायोजन का उत्पादक का दावा फरवरी, 2005 माह में खाड़ी से ताईवान तक एथिलीन के परिवहन के संबंध में \*\*\* के बीजक पर आधारित था। अक्टूबर, 2003 से सितम्बर, 2004 तक की अवधि के लिए 715.48 अम.डा. की प्रोपिलीन की औसत कीमत में मालभाड़े के कारण 195 अम. डा. का समायोजन लागत के परिकलन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। घरेलू उद्योग ने आई सी आई एस एल ओ आर से 195 अम.डा. पी एम टी के माल भाड़े के अत्यधिक समायोजन को चुनौती दी थी। उन्होंने कुछ नौवहन सेवा पत्र प्रस्तुत किए थे जिनमें रस्तानुरा से विशाखापत्तनम तक 80 डालर पी एम टी का मालभाड़ा दर्शाया गया है। प्राधिकारी ने खाड़ी से भारत या उत्तर पूर्व एशिया को प्रोपिलीन के परिवहन के लिए मालभाड़े के निर्धारण के लिए अन्य स्रोतों से कुछ स्वतंत्र जांच भी की थी। इनसे संपलब्ध कराई गई परिवहन दरों में पर्याप्त भिन्नता का संकेत मिला था। उत्पादक द्वारा प्रस्तुत अक्टूबर, 2003 से सितम्बर, 2004 तक की अवधि की आई सी आई एस एल ओ आर रिपोर्टों का प्रयोग उपयोगी संदर्भ के रूप में किया गया है और इन्हें अधिक विश्वसनीय माना गया है। इन रिपोर्टों की मालभाड़ा दरें कोरिया से दक्षिण पूर्व एशिया (अप्रैल, 2004) के बीच 70 डा0 पी एम टी, अमरीका से एशिया के बीच 180 डा0 पी एम टी (अप्रैल, 2004) अमरीका से एशिया तक अगस्त 2004 में 220 डा0 पी एम टी (अप्रैल, 2004) अमरीका से एशिया तक अगस्त, 2004 में 250 डा0 पी एम टी और अमरीका से एशिया अगस्त, 2004 में 260 डा0 पी एम टी और सितम्बर, 2004 में अमरीका से एशिया 300 डा0 पी एम टी दी गई है। प्रोपिलीन के परिवहन की मालभाड़ा दरों के वृद्धिकारी रूझानों के विश्लेषण से यह महसूस किया गया था कि उत्पादक द्वारा मांगा गया खाड़ी से उत्तर पूर्व एशिया तक के मालभाड़े के लिए 195 अम0डा0 पी एम टी का समायोजन, जो फरवरी, 2005 (जांच अवधि से पांच माह बाद) के बीजक पर आधारित था, अधिक था। मालभाड़े के वृद्धिकारी रूझानों को देखते हुए जांच अवधि के लिए मालभाड़े के लिए 150 अम0डा0 पी एम टी का समायोजन तर्कसंगत माना गया है। इस प्रकार उत्पादक की आपत्तियों पर विचार करने के बाद उत्पादन लागत परिकलित की गयी थी और संशोधित बिक्री लागत \*\*\* अम0डा0 पी एम टी परिकलित की गई है।

## (ii) सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की निर्यात कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए

अधिनियम (करार का अनुच्छेद 2.2) की धारा 9 क (1)(ग) के अनुसार, जब निर्यात करने वाले देश के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण या तो समान वस्तु की दर्शाई गई उस कीमत से लगाया जा सकता है जब उपर्युक्त तीसरे देश को निर्यात करने वाले देश से निर्यात किया गया हो या प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागत और लाभ के लिए उचित कीमत को जोड़ते हुए उद्गम देश की उक्त वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर लगाया जा सकता है। इस मामले में निर्यातक को अन्य देशों अर्थात् कोरिया, ईरान, पाकिस्तान, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल को 2 ई एच ए के निर्यातों की सूचना देना अपेक्षित होगा। तीसरे देश के निर्यातों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कई मुद्दों को उठाएगा



जैसे उपर्युक्त तीसरा देश कौन सा है, क्या चुनिंदा तीसरे देश की कीमत द्योतक होगी। कोई उपर्युक्त तीसरे देश का चयन और उनकी दी गयी कीमत से भिन्न परिणाम आ सकते हैं जो भिन्न-भिन्न सामान्य मूल्य प्रस्तुत कर सकते हैं। जांच अवधि के दौरान देखी गयी प्रोपिलीन की अस्थिर कच्ची सामग्री की कीमतों के कारण इन देशों की निर्यात कीमतों में जांच अवधि के दौरान महत्वपूर्ण भिन्नताएं भी देखने को मिली हैं। प्राधिकारी का यह मानना है कि किसी विशेष तीसरे देश का चयन व्यापक व्यक्तिपरकता का परिणामस्वरूप होगा। इसके अलावा यह भी देखा गया है कि उत्पादक प्रोपिलीन की लागत में लागत आधार पर इसकी संबद्ध कंपनी से खरीद की लागत को भी जोड़ते हैं, जिसे प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है। इस मामले पर उत्पादक द्वारा भी विवाद उठाया जाता है। यह प्रणाली निर्यातक के कीमत निर्धारण को किसी न किसी तरीके से भी प्रभावित करती है यद्यपि निर्यातक द्वारा इस पर विरोध किया जाता है। प्राधिकारी ने एस ए एम ए डी उत्पादक की लाभप्रदता, जो कच्ची सामग्री की अनुमानित लागत की रिपोर्ट की गई प्रणाली के आधार पर लेखा-पुस्तिका में प्रदर्शित की गई है, पर भी विचार किया है। निर्यातक का इस तर्क का कोई वैधानिक आधार भी नहीं है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बिक्रियों की अनुपस्थिति में तीसरे देश की केवल निर्यात कीमतों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। संगत प्रावधान सामान्य मूल्य का निर्धारण या तो तीसरे देश की निर्यात कीमत के आधार पर या उत्पादन लागत जमा एस जी ए एवं लाभ के आधार पर करने का विकल्प देता है। दोनों विकल्पों के बीच कोई तारतम्य नहीं है। इन परिस्थितियों में उचित रूप से यह महसूस किया गया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम देश में प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागत और लाभ के लिए उचित लगत को जोड़ते हुए विषय-वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर किया जाना चाहिए।

### (iii) सी एन वी में उपयोग किए गए लाभ के आंकड़े

जहां तक लाभ का संबंध है, पाटनरोधी नियम (ए डी ए का अनुच्छेद 2.2.2) के अनुबंध 1 के पैरा 4 के अनुसार, लाभ की राशि वास्तविक आंकड़ों के आधार पर होगी जो जांच के तहत उत्पादक द्वारा सामान्य उत्पाद के व्यापार के सामान्य क्रम में उत्पादन एवं बिक्रियों से जुड़ी हुई हैं। इस प्रकार, लाभ की गणना व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई बिक्रियों के आधार पर की जानी चाहिए। निर्यातक ने सभी देशों में की गई बिक्रियों के सौदेवार-ब्यौरे को प्रस्तुत किया है। सभी देशों (भारत को छोड़कर) को निर्यात सौदों पर व्यापार जांच की सामान्य प्रक्रिया लागू करने के पश्चात् प्राधिकारी को लाभ-मार्जिन \*\*\*% मालूम हुआ। प्रकटन के उत्तर में निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा परिकलित \*\*\*% की बजाए \*\*\*% लाभ पर विचार करने के लिए अनुरोध किया था। प्राधिकारी को मालूम हुआ कि सत्यापन के पश्चात् निर्यातक द्वारा प्रस्तुत विवरण में विसंगति थी और निर्यातक द्वारा पहले प्रस्तुत सौदों के ब्यौरों के अनुसार लाभ की गणना की। विसंगति जिसे निर्यातक द्वारा बताया गया था, भी बहुत मामूली थी।

### 13. एस ए बी आई सी/एस ए एम ए डी के लिए सामान्य मूल्य

उत्पादन लागत जमा \*\*\* डालर के एस जी ए, \*\*\*% लाभ को जोड़कर, सामान्य मूल्य का परिकलन \*\*\* अम. डालर प्रति मी.टन के रूप में किया गया है।

### 14. ई यू, पोलैंड, रूस, ईरान और अमरीका के लिए सामान्य मूल्य

इस समीक्षा को शुरुआत की सूचना के उत्तर में ई यू, पोलैंड, रूस, ईरान और अमरीका से किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली के संबंध में सूचना नहीं दी है। घरेलू उद्योग ने इस समीक्षा हेतु आवेदन करते समय और सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात् लिखित निवेदनों में सामान्य मूल्य के अनुमान से संबंधित सूचना प्रस्तुत की थी। सामान्य मूल्य हेतु अपने दावे के समर्थन में उन्होंने जांच अवधि के लिए आई सी आई एस एल ओ आर में प्रकाशित कीमतों के अनुसार प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमत पर भरोसा किया है। अन्य प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् नाफ्था और परिवर्तन लागत को घरेलू उद्योग की लागत के अनुसार अपनाया गया है।

प्राधिकारी ने तार्किक रूप से संभव सीमा तक इस सूचना की जांच की है। घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की लागत और परिवर्तन लागत का सत्यापन किया गया है और ऐसी सत्यापित लागत सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए उचित रूप से अपनाई गई है। उचित लाभ मार्जिन जोड़ा गया है। ई यू, पोलैंड, रूस, ईरान और अमरीका के निर्यातकों से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त न होने पर प्राधिकारी ने इन देशों के निर्यातकों को असहयोगी माना और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.8 और अनुबंध II के साथ पठित नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का सहारा लेने के लिए बाध्य होना पड़ा।

इस प्रकार सामान्य मूल्य निम्न प्रकार निर्धारित किया गया है:-

देश	परिकलित सामान्य मूल्य डालर पी एम टी		
	2 ई एच ए	आई बी ए	एन बी ए
ईरान	882.92	825.40	808.54
रूस	1050.82	905.97	806.43
ई यू	962.14	900.46	882.15
पोलैंड	962.14	900.46	882.15
अमरीका	952.45	891.28	873.15

#### 15. सऊदी अरब के लिए निर्यात कीमत

सऊदी अरब के निर्यातक मैसर्स सऊदी बेसिक इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन (एस ए बी आई सी) ने इस प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। परिशिष्ट - 2 के उत्तर के अनुसार निर्यातक ने भारत को 2 ई एच ए निर्यातों का \*\*\* एम टी के कुल निर्यात के लिए 9 सौदों को दर्शाया है। निर्यातक ने बिक्री कीमत ढांचे अर्थात् कमीशन विदेशी भाड़ा, विदेशी बीमा, ऋण लागत के बारे में परिशिष्ट 3 क में समायोजन का ब्यौरा दर्शाया था। प्राधिकारी ने निर्यातक के आंकड़ों का सत्यापन किया था। \*\*\*% विपणन शुल्क, ऋण लागत, सर्वेक्षक और पत्तन प्रभार, समुद्री भाड़े, बैंक प्रभार, बीमा और प्रलेखन के कारण समायोजन किए हैं। 2 ई एच ए के लिए \*\*\* अमरीकी डालर पी एम टी निवल निर्यात कीमत परिकलित की गयी है।

#### 16. ई यू, पोलैंड, रूस, ईरान और अमरीका के लिए निर्यात कीमत

ई यू, पोलैंड, रूस, ईरान और अमरीका के किसी भी निर्यातक ने निर्यातों, मात्रा और कीमत के बारे में प्रश्नावली का उत्तर अथवा सूचना प्रस्तुत नहीं की थी। डी जी सी आई एंड एस ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं आयातों से संबंधित आंकड़ें प्रस्तुत किए थे। डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार आयात कीमत पर इन देशों से निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए विश्वास किया गया है। ईरान के लिए 30 अमरीकी डालर पी एम टी, ई यू के लिए 50 अमरीकी डालर पी एम टी, अमरीका के लिए 60 अमरीकी डालर पी एम टी और रूस के लिए 30 अमरीकी डालर पी एम टी की दर पर समुद्री भाड़ा पर निर्यात कीमत से समायोजन किए गए हैं जो सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना और औचित्य पर आधारित हैं। सी आई एफ का 0.5 % की दर पर बीमे, 3 प्रतिशत की दर पर कमीशन, 1 प्रतिशत की दर पर अंतर्देशीय भाड़े और 1 प्रतिशत की दर पर सीमा शुल्क और पत्तन प्रभारों के लिए समायोजन इसे उचित समझते हुए और इस संबंध में प्राधिकारी के पिछले अनुभव को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। निम्नलिखित निर्यात कीमत निर्धारित की गयी है:-

देश	निर्यात कीमत डालर पी एम टी		
	2 ई एच ए	आई बी ए	एन बी ए
ईरान	713	560	633
रूस	--	--	598
ई यू	508	626	630
पोलैंड	--	--	--
अमरीका	506	444	609

**पाटन मार्जिन**

17. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 में उल्लिखित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों को अंगीकृत करने की विद्यमान प्रथा का अनुसरण किया है। घरेलू उद्योग के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की माह-वार आधार पर तुलना करने संबंधी दलीलों के संबंध में प्राधिकारी ने निवेदन को इस तथ्य के आधार पर अव्यावहारिक पाया है कि सामान्य मूल्य को समूची जांच अवधि के लिए प्रमुख कच्चे माल प्रोपिलीन की औसत कीमत लेते हुए विनिर्मित लागत के आधार पर निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है। जांच अवधि के प्रत्येक माह के लिए प्रोपिलीन हेतु उचित भाड़ा दर की गैर उपलब्धता भी प्राधिकारी को उत्पादन की लागत पर आधार माह-वार सामान्य मूल्य को निर्यात करने से रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कारक थी। प्राधिकारी का यह विचार था कि अनुपालन की गई विधि में कच्चे माल की कीमतों साथ ही साथ निर्यात कीमतों में परिवर्तनों को समाहित किया गया है। सौदे तथा सौदा संबंधी तुलना विधि को जहां निर्यातक देश में घरेलू बाजार में मौजूद तुलनीय एवं समकालिक सौदे तथा निर्यात सौदे किए गए हैं वहां अनुकूल बनाया गया है। वर्तमान मामले में सऊदी अरब में 2 ई एच ए की कोई घरेलू बिक्री नहीं की गई है। अनुच्छेद 2.4.2 के अनुसार पाटन के मार्जिन की विद्यमानता को सामान्यतः भारत औसत सामान्य मूल्य की सभी तुलनीय निर्यात सौदा कीमतों के भारत औसत के साथ तुलना के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। यह तुलना व्यापार के समान स्तर अर्थात् कारखाना द्वार स्तर पर है। ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने आक्सो एल्कोहलों के समान प्रकारों के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना करके आक्सो एल्कोहलों के विभिन्न रूपों के लिए निम्नानुसार पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है:-

	2 ई एच ए	एन बी ए	आई बी ए
ईरान	23.92	27.79	47.34
रूस		34.88	
ई यू	89.29	40.10	43.79
पोलैंड			
अमरीका	88.40	43.32	100.92
सऊदी अरब	5.30		

आक्सो एल्कोहल के अलग-अलग प्रकार/रूप के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण के पश्चात प्राधिकारी ने प्रत्येक देश के लिए निम्नानुसार पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है:-

	पाटन मार्जिन %
ईरान	33
रूस	34.9
ई यू	52.3
पोलैंड	शून्य
अमरीका	78.5
सऊदी अरब	5.3

**छ. घरेलू उद्योग को क्षति****घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे**

18. क्षति का आकलन - पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति समीक्षा के मानदण्ड: भारतीय विधायन तथा डब्ल्यू टी ओ के पाटनरोधी करार में भी समीक्षा जांच करने हेतु मानदण्डों का प्रावधान है। समीक्षा संबंधी उपबंधों का मूलभूत उद्देश्य यह है कि एक बार लगाया गया

पाटनरोधी शुल्क अनिश्चित अवधि के लिए लागू नहीं रहना चाहिए । पाटनरोधी शुल्क केवल ऐसी अवधि तक के लिए लागू रहेगा जब तक पाटन हो रहा है अथवा यदि शुल्क को हटाया जाता है तो पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना है तथा घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है अथवा पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होगी ।

**19. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.1 से 11.3 प्रासंगिक हैं :**

भारतीय विधायन में उल्लेख है कि नियम 23 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी समय-समय पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे तथा यदि वे उन्हें प्राप्त सूचना के आधार पर संतुष्ट हैं कि ऐसे शुल्क को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है तो केन्द्र सरकार को शुल्क हटाने की सिफारिश करेंगे ।

उपर्युक्त प्रावधानों से यह स्पष्ट है कि यदि यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या शुल्क को हटाए जाने के परिणामस्वरूप क्षति की पुनरावृत्ति होगी ।

**20. क्षति का संचयी मूल्यांकन**

एक से अधिक देशों के निर्यातक भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन कर रहे हैं । इस संबंध में क्षति के संचयी मूल्यांकन हेतु निम्नलिखित प्रासंगिक हैं:-

- (क) संबद्ध देशों से पाटन का मार्जिन उपर्युक्त उल्लिखित सीमाओं से अधिक है;
- (ख) घरेलू उत्पाद और विभिन्न देशों में उत्पादकों द्वारा आपूरित उत्पाद समान उत्पाद है । इस बात की पुष्टि पूर्ववर्ती जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा भी की जा चुकी है;
- (ग) आयातित उत्पाद और घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध उत्पाद प्रतिस्थापनीय हैं और इन्हें एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाया जा सकता है;
- (घ) संबद्ध देशों में विभिन्न उत्पादकों द्वारा आपूरित उत्पादों का समान अवधि के दौरान, तुलनीय बिक्री चैनलों के माध्यम से तथा समान वाणिज्यिक परिस्थितियों के तहत भारत में विपणन किया जा रहा है;
- (ङ) घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों के निर्यातक, उत्पाद की बिक्री समान श्रेणी के उपभोक्ताओं को कर रहे हैं ।

चूँकि संबद्ध देश के निर्यात, भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान उत्पाद से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं इसलिए आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है ।

**21- संभावित स्थिति**

पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के पश्चात भी विदेशी उत्पादक, भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हैं । पाटन मार्जिन भी काफी अधिक है । अतः घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचेगी । अतः पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने से अपरिहार्य रूप से पाटन में वृद्धि होगी ।

**22. कारणात्मक संबंध**

घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हो रही है। यद्यपि पूर्व में पाटित आयातों के कारण क्षति हो रही थी तथापि पाटनरोधी शुल्क की संभावित वापसी के परिणामस्वरूप पाटित आयातों के कारण क्षति की पुनरावृत्ति हो सकती है। यह देखा जा सकता है कि अनुच्छेद 3.5 के अनुसार सूचीबद्ध कारकों के द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है, जैसा कि निम्नानुसार प्रमाणित किया गया है:-

(क) पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा एवं मूल्य:- घरेलू उद्योग ने जांचाधीन देशों और ऐसे देश जिनकी जांच नहीं की जा रही है सहित सभी देशों से आयातों की मात्रा एवं मूल्य के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। यह देखा जा सकता है कि (i) अन्य देशों से आयातों की मात्रा न्यूनतम से कम है, (ii) इंडोनेशिया के अतिरिक्त अन्य देशों से ऐसे कोई आयात नहीं किए गए हैं, जिस पर पूर्व में शुल्क लगाया गया हो, (iii) उल्लेखनीय हिस्से वाले अन्य देशों के आयात पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है।

(ख) मांग में कमी:- घरेलू उद्योग द्वारा इन निवेदनों सहित उपलब्ध कराए गए क्षति विवरण में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग के संबंध में पर्याप्त सूचना उपलब्ध है। यह देखा जा सकता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। अतः मांग में कमी, घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।

(ग) खपत की पद्धति में परिवर्तन:- विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः खपत की पद्धति में परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और उनके बीच प्रतिस्पर्धा:- ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धति नहीं है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति पहुँच सकती हो।

(ङ) प्रौद्योगिकी में विकास:- उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं आया है। अतः प्रौद्योगिकी में विकास, क्षति का कारण नहीं है।

(च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन:- घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं कर रहा है।

(छ) उत्पादकता:- मानव शक्ति के आधार पर उत्पादन के संदर्भ में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

**23. कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने वाले कारक:-**

यद्यपि उपर्युक्त मानदण्डों से यह साबित होता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति करार के तहत सूचीबद्ध अन्य कारकों के कारण नहीं हुई है, तथापि घरेलू उद्योग के निवेदन के अनुसार निम्नलिखित मानदण्डों से यह साबित होता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से क्षति पहुंचेगी।

i. पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम होगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमत में अत्यधिक कटौती होगी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को बिक्री कीमत में कमी करने अथवा बिक्री मात्राएं गंवाने के लिए बाध्य होना

पड़ेगा। यह नोट करना महत्वपूर्ण होगा कि उपभोक्ता, मार्जिन के निम्न स्तर का हवाला देते हुए इस बात पर अत्यधिक जोर देते हैं कि वे सबसे कम कीमत पर उत्पाद की खरीद करेंगे;

ii. कीमत कटौती के आधार पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति का सामना करना होगा, चूंकि घरेलू उद्योग के पास पाटित आयातों द्वारा सृजित प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए सीमित विकल्प होंगे अन्यथा उसे बिक्री मात्रा गंवानी होगी;

iii. उत्पादकों और/अथवा संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का निरंतर पाटन किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पाटन जारी है;

iv. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद भी पाटन मार्जिन काफी अधिक बना हुआ है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है;

v. पाटित आयातों के जारी रहने के परिणामस्वरूप, वर्तमान शुल्क की समाप्ति से घरेलू उद्योग को क्षति होगी;

(vi) निश्चयात्मक रूप में पाटनरोधी शुल्क आगे और पांच वर्ष की अवधि के लिए अपेक्षित है।

**24. निर्यातक/उत्पादक मै0 साबिक और समद, सऊदी अरब, इंडियन प्लास्टीसाइजर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) तथा लुब्रीजोल इंडिया प्रा. लि. (आयातक) के अनुरोध**

- i. जांच शुरुआत संबंधी सूचना के अनुसार क्षति विश्लेषण में वर्ष 2001-2002 से जांच अवधि तक का समय शामिल है। याचिका के अगोपनीय अंश से यह देखा गया है कि एपीएल की कुल बिक्री वर्ष 2001-2002 में 77.53 से बढ़कर जांच अवधि में 119.98 हो गई है। वृद्धि लगभग 55 की हुई है। इस वृद्धि को प्रति उत्पाद नहीं बल्कि समग्र कम्पनी के रूप में आंकना होगा क्योंकि एपीएल के पास एक स्विंग प्लांट है और वह तीनों उत्पादों में से किसी का उत्पादन कर सकता है।
- ii. उत्पादन लागत में मामूली वृद्धि हुई है जब कि बिक्री कीमत में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इससे वर्ष 2001-2002 के दौरान (933.64) का घाटा हुआ है जो जांच अवधि में + 923.95 का लाभ बन गया है। इस प्रकार कीमत में कोई ह्रास अथवा कमी नहीं आई है।
- iii. उत्पादन भी 80.44 से पर्याप्ततः बढ़कर 125.49 हो गया है जिसमें 56% की वृद्धि हुई है। इस प्रकार की पर्याप्त वृद्धि क्षति का संकेतक नहीं हो सकती।
- iv. उत्पाद की मांग 103.71 से घटकर 94.76 हो गई है। तथापि मांग में इस गिरावट के परिदृश्य में घरेलू उत्पादक का हिस्सा 39.51% से बढ़कर 66.92% हो गया है। इस प्रकार क्षति का कोई मुकम्मल संकेतक नहीं है।
- v. कर्मचारियों की संख्या अथवा उत्पादकता के अनुसार कोई क्षति नहीं हुई है। इसके अलावा, क्षमता उपयोग भी 76.95% से बढ़कर 110.81% हो गया है।
- vi. नकदी प्रवाह की स्थिति भी -110.94 से पर्याप्ततः सुधरकर + 697.74 हो गई है जिससे घरेलू उद्योग की बेहतर स्थिति का पता चलता है। मजदूरी भी 111.61 से बढ़कर 139.73 हो गई है अर्थात् 25% की वृद्धि हुई है।

- vii. अंतिम स्टॉक में पर्याप्त वृद्धि हुई है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इसके कारणों का विश्लेषण खासकर इस दृष्टि से किए जाने की जरूरत है कि क्या ऐसा किसी तारीख विशेष पर स्थिति के कारण हुआ है या ऐसा उत्पादन, बिक्री तथा बाजार हिस्सा में पर्याप्त वृद्धि के कारण हुआ है।
- viii. निवेश पर आय में हमेशा नकारात्मक रुझान प्रदर्शित हुआ है। यह काफी आश्चर्यजनक है क्योंकि कम्पनी ने प्रचालनों से लाभ एवं बेहतर सकारात्मक नकदी प्रवाह की सूचना दी है। इसके अलावा सूचकांक से स्पष्टतः यह पता चलता है कि बिक्री कीमत उत्पादन की कुल लागत से अधिक है। यह पता नहीं चला है कि निवेश पर आय कैसे और क्यों नकारात्मक रही है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह इस दावे की जांच करें। लगभग 4 वर्ष तक पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बाद भी यदि घरेलू उद्योग निवेश पर सकारात्मक आय प्रदर्शित करने की स्थिति में नहीं है, तो इससे यह पता चलता है कि इस वजह से क्षति अपेक्षित पाटन से भिन्न कारकों से हुई है।
- ix. संक्षेप में, आंकड़ों से किसी वास्तविक क्षति का पता नहीं चलता है। याचिकाकर्ता ने कही भी यह नहीं दर्शाया है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इस प्रकार निर्णायक समीक्षा का निर्धारण इस आधार पर करना होगा कि न तो कोई मौजूदा क्षति हो रही है और शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इसकी पुनरावृत्ति की संभावना भी नहीं है।

## 25. क्षति मापदण्डों का विश्लेषण

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के विभिन्न क्षति मापदण्डों से संबंधित क्षति संबंधी सूचना का निम्नानुसार विश्लेषण किया है :-

## 26. आयात की मात्रा

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्टू., 03 से सित., 04
पोलेण्ड	मी. टन	263	0	0	0
40 अप्रीका	मी. टन	1488	657	5909	7807***
ईरान	मी. टन	398	748	431	1051
यूएसए	मी. टन	7333	7362	9148	3955
रूस	मी. टन	0	0	50	561
ईयू	मी. टन	560	1157	0	947
कुल संबद्ध देश	मी. टन	10042	9924	15538	14322
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	99	155	143
अन्य देश	मी. टन	0	0	0	7630
प्रवृत्ति	सूचीकृत	0	0	0	100
कुल आयात	मी. टन	10042	9924	15538	21952

प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है।

## 27. उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्टू., 03 से सित., 04
क्षमता	मी. टन	36000	39000	39000	39000
क्षमता उपयोग	%	77	106	106	111
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	137	137	144

उत्पादन	मी. टन	27702	41211	41256	43214
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	149	149	156
2ईएचए	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	123	145	152
एनबीए	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	222	173	172
आईबीए	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	131	115	143

यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग बढ़ाकर 111% कर दिया है और उत्पादन जांच अवधि के दौरान बढ़कर 43214 मी. टन हो गया है जिसमें वर्ष 2001-2002 से 56% की वृद्धि हुई है।

## 28. बिक्रियां

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 03 से सित., 04
कुल बिक्री	मी. टन	27093	38429	42103	41926
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	142	155	155
2ईएचए	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	122	139	151
एनबीए	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	196	186	167
आईबीए	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	123	186	146

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री जांच अवधि के दौरान 41,926 मी. टन से बढ़कर 2001-2002 में 27,093 मी. टन हो गई है जिसमें 55% की वृद्धि हुई है।

## 29. मांग और बाजार हिस्सा

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू., 03 से सित., 04
मांग	मी. टन	41534	48353	57641	63878
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	116	139	154
याचिकाकर्ता की बिक्री	मी. टन	27093	38429	42103	41926
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	4399	0	0	0
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	10042	9924	15538	14322
अन्य देशों से आयात	मी. टन	0	0	0	7630
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	65.23	79.48	73.04	65.63
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	122	112	101
अन्य उत्पादक	%	10.59	0.00	0.00	0.00
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	0	0	0
संबद्ध देश	%	24.18	20.52	26.96	22.42
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	85	111	93
अन्य देश	%	0.00	0.00	0.00	11.94
प्रवृत्ति	सूचीकृत	0	0	0	100



प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध वस्तु की माँग जांच अवधि के दौरान 41,534 मी. टन से बढ़कर 2001-2002 के दौरान 63,878 मी. टन हो गई है जिसमें 54% की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग का हिस्सा लगभग 65% था जिसमें 2001-2002 से कोई परिवर्तन नहीं देखा गया है यद्यपि बीच के वर्षों में घरेलू उद्योग का हिस्सा बढ़कर 79% और 73% हो गया था। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात का हिस्सा 24.18% से मामूली कम होकर 22.42% हो गया है। जांच अवधि के दौरान कुल मांग में अन्य देशों से आयात का हिस्सा लगभग 12% रहा था।

### 30. लाभ प्रदत्ता

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 03 से सित., 04
<b>उत्पादन लागत</b>					
2ईएचए	यू/मी. टन	***	***	***3	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	100	102	105
एनबीए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	99	102	105
आईबीए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	99	107	125
<b>बिक्री कीमत</b>					
2 ईएचए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	135	121	129
एनबीए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	129	109	108
आईबीए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	115	98	112
<b>लाभ/हानि</b>					
2 ईएचए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	67	-10	5
एचबीए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	1796	489	323
आईबीए	यू/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	35	-183	-236
<b>तुलन पत्र के अनुसार/लाभ/हानि</b>	लाख रूपए	-933.64	2866.19	940.97	923.95

घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। तथापि बिक्री कीमत में भी उच्चतर वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच अवधि में सुधार हुआ है। वर्ष 2001-2002 के दौरान घाटे की स्थिति के संदर्भ में पर्याप्त सुधार हुआ है।

### 31. नकदी प्रवाह

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 03 से सित., 04
प्रचालनों से नकदी प्रवाह	लाख रूपए	-110.94	2221.15	1142.11	697.74
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	2002	1029	629

नकद घाटा					
नकद लाभ/(हानि)	लाख रुपए	226.84	4014.37	2108.79	2065.56
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	1770	930	911

जांच अवधि के दौरान और 2001-2002 की तुलना में बीच के वर्षों में भी घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह की स्थिति में सुधार हुआ है।

### 32. भण्डार सूची

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 03 से सित., 04
अंतिम स्टॉक - कुल	मी. टन	891	3673	2826	2227
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	412	317	250
उत्पादन के % के रूप में भण्डार सूची	%	3.21	8.91	6.85	5.15

घरेलू उद्योग की भण्डार सूची में कोई खास वृद्धि प्रदर्शित नहीं हुई क्योंकि जांच अवधि के दौरान यह उत्पादन के लगभग 5% थी।

### 33. उत्पादकता

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 04 से सित., 04
कर्मचारी	सं०	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	102	103	100
उत्पादकता	मी. टन/सं.	100	145	145	155
प्रवृत्ति	सूचीवद्ध	100	146	145	156

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

### 34. निवेश पर आय

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 03 से सित., 04
निवल नियम परिसंपत्तियाँ	रु. लाख	13420	12110	10936	10382
कार्यशील पूंजी	रु. लाख	3023	4258	3252	3613
लगाई गई पूंजी	रु. लाख	16443	16368	14189	13995
ब्याज पूर्व लाभ/(हानि)	रु. लाख	***	***	***	***
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	2804	1102	1189

वर्ष 2001-2002 से लगाई गई पूंजी पर आय में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

**35. रोजगार**

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू.03 से सित.,04
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	मी.टन	100	102	103	103

घरेलू उद्योग के रोजगार में कोई खास परिवर्तन प्रदर्शित नहीं हुआ है ।

**36. मजदूरी**

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू.03 से सित.,04
कर्मचारियों को संदत्त मजदूरी	लाख रुपए	358.81	382.44	456.28	449.22
प्रवृत्ति	सं.	100	107	127	125

घरेलू उद्योग की मजदूरी में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई जो उद्योग के लिए सामान्य थी ।

**37. वृद्धि**

विवरण	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू.,03 से सित.04
उत्पादन	%	-	48.77	0.11	4.75
बिक्री मात्रा	%	-	41.84	9.56	-0.42
संबद्ध देश से कुल आयात	%	-	-1	57	19
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	-	22	-8	-5

घरेलू उद्योग के उत्पादन में बेहतर सुधार प्रदर्शित हुआ है । बिक्री में भी कुल मिलाकर वृद्धि प्रदर्शित हुई है यद्यपि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 0.42% की मामूली गिरावट आई थी ।

**38. कीमत कटौती, कीमत न्यूनीकरण एवं हास**

	सऊदी अरब	
	2ईएचए	एनबीए
सीआईएफ निर्यात कीमत	***	***
उत्तराई प्रभार	***	***
निर्धारणीय मूल्य	***	***
सी.शु. 20%	***	***
पहुँच मूल्य	***	***
बिक्री कीमत	***	***
घरेलू उद्योग	***	***
कीमत कटौती	(***)	(***)
कीमत कटौती%	(15-25)	(6-15)
एनआईपी	***	***
क्षति मार्जिन	(***)	(***)
क्षति मार्जिन%	(3-13)	2-12)

	ईरान		
	2ईएचए	एनबीए	एनबीए
सीआईएफ निर्यात कीमत	***	***	***
उत्तराई प्रभार	***	***	***
निर्धारणीय मूल्य	***	***	***
सी.शु. 20%	***	***	***
पहुँच मूल्य	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***
घरेलू उद्योग	***	***	***
कीमत कटौती	(***)	(***)	***
कीमत कटौती %	(6-15)	(7-16)	(8-17)
एनआईपी	***	***	***
क्षति मार्जिन	(***)	(***)	***
क्षति मार्जिन %	(0-10)	(5-15)	(0-10)

	ईयू		
	आईबीए	2ईएचए	एनबीए
सीआईएफ निर्यात कीमत	***	***	***
उत्तराई प्रभार	***	***	***
निर्धारणीय मूल्य	***	***	***
सी.शु. 20%	***	***	***
पहुँच मूल्य	***	***	***
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	***	***	***
कीमत कटौती	***	***	***
कीमत कटौती %	(20-30)	15-25	(5-15)
एनआईपी	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***
क्षति मार्जिन %	(4-14)	20-30	(3-13)

	यूएसए			रूस
	2ईएचए	आईबीए	एनबीए	एनबीए
सीआईएफ निर्यात कीमत	***	***	***	***
उत्तराई प्रभार	***	***	***	***
निर्धारणीय मूल्य	***	***	***	***
सी.शु. 20%	***	***	***	***
पहुँच मूल्य	***	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
कीमत कटौती	***	***	***	***
कीमत कटौती %	15-25	5-15	(5-15)	(0-10)
एनआईपी	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	20-30	20-30	(0-10)	0-10

दिनांक 21.11.2005 के प्रकटन विवरण में प्राधिकारी ने कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री सहित क्षति विश्लेषण हेतु निर्यात के सभी सौदों/मात्रा पर विचार किया था। घरेलू उद्योग ने यह अभ्यावेदन दिया था कि जांच अवधि के अन्त में अर्थात् सितम्बर, 2004 के अन्त में सऊदी निर्यात के द्वारा किए गए कुछेक निर्यातों को सीमाशुल्क से स्वीकृति नहीं मिली होगी और इसलिए कीमत कटौती तथा क्षति मार्जिन के प्रयोजनार्थ तुलना हेतु विचार नहीं किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने ये तर्क मुख्यतः इस कारण से दिए थे कि जांच अवधि के दौरान आक्सो एल्कोहल की निर्यात कीमत में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई थी और यह जांच अवधि के अंत में सबसे अधिक थी और इसीलिए उचित तुलना नहीं हो सकती है। प्राधिकारी ने इन तर्कों पर विचार किया और सितम्बर, 2004 के अंत में सऊदी अरब निर्यातक द्वारा भेजी गई दो खेपों को छोड़े जाने के कारण कीमत कटौती तथा क्षतिमार्जिन के स्तर में आंशिक संशोधन करते हुए 9.1.2006 को संशोधित प्रकटन विवरण जारी किया था। संशोधित प्रकटन विवरण के उत्तर में सऊदी निर्यातक ने शामिल न किए जाने के बारे में अन्य बातों के साथ-साथ इस आधार पर विरोध किया था कि एक खेप के संबंध में प्रविष्टि बिल 30.9.2004 को प्रस्तुत किया गया था और इसलिए तकनीकी रूप से आयात जांच अवधि में कर दिया गया था। इसके अलावा, यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी द्वारा पाटन एवं क्षति दोनों के प्रयोजनार्थ आयात के समस्त सौदों/मात्रा पर लगातार विचार किया जा रहा है। केवल इस वजह से निर्यातों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए कि उनमें से कुछ का निर्यात उच्चतर कीमत पर किया गया है। तर्कों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने पाटन के निर्धारण हेतु विचार किए गए निर्यात के समस्त सौदों/मात्रा को ध्यान में रखते हुए कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के बारे में क्षति निर्धारण करना उचित समझा है। प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि प्रदर्शित हुई है यद्यपि उत्पादन लागत में भी वृद्धि हुई है। तथापि बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि की तुलना में अधिक रही थी। कीमत ह्रास अथवा कीमत न्यूनीकरण का पता नहीं चला था। सऊदी अरब, ईरान, रूस, ईयू से आईबीए तथा एनबीए और यूएसए से एनबीए के आयातों के संबंध में कीमत कटौती नकारात्मक रही थी। ईयू से 2ईएचए तथा यूएसए से आईबीए के आयातों के संबंध में कीमत में मामूली कटौती हुई थी। कीमत में समग्र कटौती नकारात्मक रही थी।

घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के पहुँच मूल्य के साथ की गई थी और यह पाया गया था कि सऊदी अरब, ईरान से एनबीए, ईयू से आईबीए तथा एनबीए, यूएसए से एनबीए के संबंध में कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक रही थी। ईरान से 2ईएचए तथा आईबीए, ईयू से 2ईएचए, यूएसए से 2ईएचए तथा आईबीए एवं रूस से एनबीए के संबंध में कम कीमत पर बिक्री हुई थी।

### 39. क्षति का समग्र निर्धारण

प्राधिकारी ने यह पाया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन, बिक्री, बाजार हिस्सा तथा उत्पादकता जैसे मापदण्डों में बेहतर निष्पादन प्रदर्शित किया गया है। वर्ष 2001-2002 के दौरान क्षमता उपयोग 77% की तुलना में बढ़कर 111% हो गया है। वर्ष 2001-2002 से जांच अवधि के दौरान बिक्री में 55% की वृद्धि हुई है। संवर्धित उत्पादन के संबंध में भण्डार सूची में खास वृद्धि नहीं हुई है। जांच अवधि के दौरान यह 5% रही है। वर्ष 2001-2002 से कम्पनी की लाभप्रदता में पर्याप्त सुधार हुआ है। घाटे की स्थिति से अब यह लाभ की स्थिति में आ गई है। यद्यपि 2002-2003 के बीच के वर्षों के

दौरान कम्पनी ने उच्च लाभ कमाया है। कुल मांग में संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा 2001-2002 में 24.18% से घटकर जांच अवधि के 22.42% हो गया है। मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा लगभग 65% रहा है यद्यपि 2002-2003 में यह बढ़कर 79.48% हो गया है। संबद्ध देशों से निर्यात 5% से 78% तक के पाटन मार्जिन के साथ पाटित किए गए पाए गए हैं। नकदी प्रवाह की स्थिति में सुधार हुआ है। निवेश पर आय में वृद्धि हुई है। लाभप्रदता में पर्याप्त सुधार हुआ है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की समग्र स्थिति में सुधार हुआ है। सऊदी अरब, ईरान और रूस से कीमत कटौती नकारात्मक रही है। केवल ईयू और यूएसए से 2ईएचए तथा आईबीए के संबंध में कीमत कटौती हुई है।

सऊदी अरब से कम कीमत पर बिक्री का पता नहीं चलता है। यद्यपि कुछेक प्रकारों में ईयू, यूएसए तथा रूस से कम कीमत पर बिक्री की गई है।

#### 40. पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना।

शाक्ष्य की जांच से प्राधिकारी ने यह पाया है कि सऊदी अरब, ईरान, यूएसए, रूस और ईयू से आयात जारी रहे हैं। पोलैण्ड से कोई आयात नहीं हुआ था। सऊदी अरब के सहयोगी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन 5.3% पाया गया था। ईरान, यूएसए, रूस और ईयू के संबंध में पाटन मार्जिन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर 33 से 78% के बीच पाया गया था। अतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि इन देशों से पाटन जारी है। इन वर्षों और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान तुलन पत्र के अनुसार 92.39 मिलियन रुपये का निवल लाभ कमाया है। संबंध वस्तु की बिक्री कीमत में सुधार प्रदर्शित हुआ है। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के कारण पिछले दो वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में समग्र वृद्धि प्रदर्शित हुई है। दिनांक 20 अप्रैल, 2004 की अधिसूचना सं. 57/2004-सीमाशुल्क के अनुसार संस्तुत लगाया गया पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत के रूप में था। वर्तमान आयात काफी उच्च कीमतों पर हुए हैं। सामान्य सीमाशुल्क के प्रभाव के कारण आयातों का पहुँच मूल्य 20 अप्रैल, 2004 की मौजूदा अधिसूचना के अनुसार संस्तुत संदर्भ कीमत से काफी अधिक है। ऐसा कोई शाक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे आयातों में भारी वृद्धि होने का पता चलता हो। समीक्षा जांच अवधि के दौरान पाटित आयातों के शाक्ष्यों के बावजूद घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति का कोई सबूत नहीं है। यदि संदर्भ कीमत के रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने वाली अधिसूचना वापस ले ली जाती है तो प्राधिकारी घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति की कोई संभावना नहीं पाते हैं।

#### (ज) निष्कर्ष

41. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि निर्णायक समीक्षा जाँच में

- (i) सऊदी अरब, ईरान, यूएसए, रूस और ईयू से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणाम स्वरूप पाटन हुआ है; लेकिन पोलैण्ड से संबद्ध वस्तु के पाटन का कोई साक्ष्य नहीं था।
- (ii) सऊदी अरब, ईरान, यूएसए, रूस और ईयू से पाटन के परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है।

- (iii) सऊदी अरब, ईरान, यूएसए, रूस, पोलैण्ड और ईयू से आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति की पुनरावृत्ति की कोई संभावना नहीं है।

42. अतः प्राधिकारी यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के उपशीर्ष 2905 के अंतर्गत आने वाले एसाइक्लिक एल्कोहल (ओक्सो एल्कोहल) अर्थात् पोलैण्ड, सऊदी अरब, रूस, ईरान, यूएसए और यूरोपीय संघ से 2ईएचए, एनबीए, आईबीए के आयातों पर दिनांक 26.02.2004 की मध्यावधि समीक्षा संबंधी अंतिम जांच परिणामों में प्राधिकारी की सिफारिश और 20 अप्रैल, 2004 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 57/2004-सीमाशुल्क के अनुसार लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की सिफारिश करते हैं।

43. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st March, 2006

#### Final Findings

**Subject: Sunset Review regarding anti-dumping duty imposed on imports of Oxo Alcohols from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union.**

**No. 15/9/2003-DGAD.**—Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter also referred to as the Rules) vide Notification No.15/1/99-DGAD dated 17.7.2000 issued its Final Findings recommending definitive anti dumping duty on imports of certain forms of Oxo Alcohols viz. Normal Butanol (NBA), Iso Butanol (IBA), 2 Ethyl Hexanol (2EHA), Iso Decanol, Iso Octanol and Normal Hexanol from Poland, Republic of Korea, Indonesia, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union. Definitive anti dumping duty was imposed vide Customs Notification No.109/2000-Customs dated 18 August 2000. The said notification of Customs was partially modified as per the orders dated 11.4.2001 of Hon'ble Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) and as per these orders, *inter-alia*, Normal Hexanol was excluded from the said Customs Notification. The Designated Authority conducted a Mid-term Review of the anti dumping duty imposed and issued final findings vide Notification No.40/1/2001-DGAD dated 26.2.2004 (modified vide Corrigendum dated 16.3.2004) recommending anti dumping duty on imports of Acyclic Alcohols (Oxo Alcohols) viz. 2EHA, NBA, IBA and Iso Octanol (hereinafter also referred to as subject goods) from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union (hereinafter also referred to as subject countries) falling under Sub Heading 2905 of first schedule of the Customs Tariff Act (as per these recommendations, the anti dumping duty in respect of Republic of Korea and Indonesia was removed). Anti dumping duty as per the recommendations made in the final findings of the Mid-term Review were imposed vide Notification No.57/2004-Customs dated 20<sup>th</sup> April, 2004.

2. And whereas, M/s. Andhra Petrochemicals Ltd., Visakhapatnam filed a petition substantiating the need for sunset review of the antidumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from subject countries and requested for continuation of the anti-dumping duty imposed on certain forms of Oxo Alcohols. The Designated Authority initiated sunset review vide notification dated 6<sup>th</sup> December 2004 to review whether cessation of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury on imports of subject goods originating in or exported from subject countries, in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment & Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995. As per the Customs notification 57/2004 dated 20.4.2004 the anti dumping duty were to be in force for five years from the date of imposition of provisional duty i.e. from 27 January 2000. Having regard to the initiation of sunset review on 6.12.2004 and powers conferred under Section 9A (5) of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government extended the period of anti dumping duty up to 26 January 2006 vide Notification No. 84/2005-Customs dated 16 September 2005.

#### **A. The Original Investigation**

3. In the original investigation, the Designated Authority had recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of certain forms of Oxo Alcohols originating in or exported from Poland, South Korea, Indonesia, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union falling under Sub-heading 2905 of Schedule I of Customs Tariff Act. The preliminary findings were published vide Notification No.15/1/99 dated 3.12.1999 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs notification No. 6/2000 dated 27<sup>th</sup> January, 2000. The Designated Authority issued final findings on 17.7.2000 vide No.15/1/99-DGAD and definitive anti dumping duty was imposed by Customs as per notification No. 109/2000-Customs dated 18<sup>th</sup> August, 2000, which was partially modified as per the orders dated 11.4.2001 of Hon'ble Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT). The Designated Authority conducted a Mid-term Review of the anti dumping duty imposed and issued final findings vide Notification No.40/1/2001-DGAD dated 26.2.2004 (modified vide Corrigendum dated 16.3.2004) recommending anti dumping duty on imports of Acyclic Alcohols (Oxo Alcohols) viz. 2EHA, NBA, IBA and Iso Octanol from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union falling under Sub Heading 2905 of first schedule of the Customs Tariff Act (no duty was recommended in respect of South Korea and Indonesia). Anti dumping duty as per the recommendations made in the final findings of the Mid-term Review were imposed vide Notification No.57/2004-Customs dated 20<sup>th</sup> April, 2004.

#### **B. PROCEDURE:**

4. The procedure described below has been followed with regard to this sunset review investigation:-

- (i) The Designated Authority sent a copy of the Initiation Notification dated 6<sup>th</sup> December, 2004 to the Embassies of the subject countries, the Delegation of EC in India, the domestic industry, the exporters and the importers as per the list available and requested them to make their views known in writing within forty days of the notification.
- (ii) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the application to the following known exporters and Embassies of subject countries in India and according to sub-rule (4) of Rule 6 supra, the Authority also sent a questionnaire to the following known exporters to give information within forty days from the date of initiation of this review:



1. M/S ZAK  
ZAKLELY AZOTOWE KEOZIERYZN SA,  
Skr, POIZWOTA 163, 47220,  
KEDZIEEGYN KOZLE  
POLAND
2. ARAK PETROCHEMICAL COMPANY  
NO.767, ENGHELAB STREET,  
TEHRAN,  
IRAN.
3. AL-JUBAIL FERTILISERS COMPANY  
P.O. BOX - 10046  
("SABIC")  
AL-JUBAIL 31961  
SAUDI ARABIA
4. SAUDI BASIC INDUSTRIES CORPORATION (SABIC)  
P.O. BOX - 5101  
RIYADH 11422  
KINGDOM OF SAUDI ARABIA
5. HULS AKTIENGESELLSCHAFT,  
BUILDING 1122/04,  
D-45764, MARL,  
GERMANY
6. BASF AG  
INDUSTRIAL CHEMICAL DIVISION,  
CIW/LG - E100, D-67056,  
LUDWIGSHAFEN  
FEDERAL REPUBLIC OF GERMANY
7. HELM AG,  
NORDKANALSTRASSE 28,  
D-20097, HUMBURG,  
GERMANY
8. CHEMISCHE WERKE HUELS  
MARL  
FEDERAL REPUBLIC OF GERMANY
9. EASTMAN CHEMICAL COMPANY  
P.O. BOX - 431,  
KINGSPORT, TENNESSEE 37662  
USA

10. ICC CHEMICAL CORPORATION  
720 FIFTH AVENUE  
NEW YORK 10019, USA.
11. VINMAR INTERNATIONAL LIMITED  
16800 IMPERIAL VALLEY DRIVE,  
SUITE 499,  
HOUSTAN TEXAS  
USA
12. UNION CARBIDE CORPORATION  
39-OLDREDGEBURY ROAD,  
DANBURY, C.T. 06817 0001  
USA
13. ARTISTECH CHEMICAL CORPORATION  
PASADENA  
TEXAS, USA
14. NESTE CHEMICALS  
NESTE OXO AB  
S 444, STENUNGSUND  
SWEDEN
15. OXENO Olefinchemie GmbH  
Paul Baumann Str. 1  
D-45764 Marl  
Paul Baumann, Strabe 1,  
Federal Republic of Germany
16. Degussa India Pvt. Ltd.  
12 A/A (13<sup>th</sup> Floor), Bakhtawar  
229, Nariman Point  
Mumbai - 400 021.
17. M/s. Iran Petrochemicals Commercial Company,  
99-A, maker Tower 'F', 9<sup>th</sup> Floor,  
Cuffe Parade,  
Colaba,  
Mumbai - 400 005
18. Mr. Mohammad Ehtiati,  
Chairman and Managing Director,  
M/s.Iran Petrochemicals Commercial Company,  
No. 1339, Vali Asr Avenue,

Above Vanak Square,  
Zip Code 19697,  
P.O. Box.19395/4619,  
Tehran, Iran.

19. M/s.NIZHNEKAMSKNEFTEKHIM  
NIZHNEKAMSK  
Republic of Tatarstan  
423550 Russia  
General Directorate office

- (iii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods;
- (iv) The Embassy of the subject countries and the Delegation of EC in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, application and questionnaire sent to the exporters was also sent to them;
- (v) A questionnaire was sent to the following known importers/users/industry's associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

- 1. KLJ Plasticisers  
KLJ House,  
63, Rama Marg,  
Near Kirti Nagar,  
New Delhi 110 015
- 2. PCL Oil and Solvents Limited,  
M 105, Connaught Place,  
2<sup>nd</sup> Floor,  
New Delhi 110 001
- 3. Indo Nippon Chemical Company Limited,  
Maker Bhawan 2,  
18, New Marine Lines,  
Mumbai 400 020
- 4. Vision Organics Pvt. Limited,  
A/2, Swagat,  
Behind Overseas Avenue,  
Near Natubhai Centre,  
Race Course Circle,  
Baroda 390 007

5. Lubrizol India Pvt. Ltd.,  
VIP House, 2<sup>nd</sup> Floor,  
88-C, Old Prabhadevi Road,  
Mumbai – 400 025.
6. API Industrial Corporation  
108, Shahzada Bagh Extn.  
Old Rohtak Road,  
Delhi 110 035
7. C J Shah & Company  
105 Bajaj Bhawan,  
10<sup>th</sup> Floor,  
Nariman Point  
Mumbai 400 021
8. Vikas Organics Pvt. Limited,  
34/1 Vikas Apartments,  
East Punjabi Bagh,  
New Delhi 110 026
9. Payal Polymers,  
E 24, Netaji Subhash Marg,  
Daryagunj  
New Delhi 110 002
10. Texpo Trading Private Limited  
Mustaf Building, 5<sup>th</sup> Floor,  
Sir Pm Road, Mumbai 400 001
11. Guljoy Industries Limited,  
Nahata Bhawan  
Chopasani Road  
Jodhpur Rajasthan
12. N.K. Polymers & Additives Mfg. Co.  
37/2, Ringanwada,  
DAMAN
13. SILVASSA PLAST  
KLJ HOUSE,  
63, Rama Marg,  
Najafgarh Road,  
New Delhi – 110 015.

14. K.L.J. Polymers and Chemicals Limited  
KLJ HOUSE,  
63, Rama Marg,  
Najafgarh Road,  
New Delhi – 110 015.
  15. Rachna Plasticizers  
Shah House, Plot No.142,  
S.V. Road, Khar (W)  
Mumbai – 400 052.
  16. Indian Plasticizers Manufacturers Association,  
“KLJ House”,  
63, Rama Marg (Najafgarh Road),  
New Delhi – 110 015.
- (vi) Some of the interested parties requested for extension of time for submission of response which was allowed by the Authority.
- (vii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 26 August 2005. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- (viii) The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7);
- (ix) Arguments made by the interested parties after initiation of the sunset review, subsequent to the public hearing and in response to the disclosures have been appropriately dealt with in these findings;
- (x) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 21 November, 2005 vide a disclosure statement. Comments received on the same were examined and the Authority issued another disclosure statement on 9<sup>th</sup> January 2006 partially revising the earlier disclosures. Comments received in respect of the both the disclosures have also been duly considered in these findings;
- (xi) Cost investigations including spot verification (as deemed necessary) of the domestic industry were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the domestic industry;
- (xii) Verification of information furnished by the exporter M/s SABIC and producer M/s SAMAD from Saudi Arabia was conducted by the Designated Authority;
- (xiii) \*\*\* in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

- (xiv) The investigation covered the period from 1<sup>st</sup> October 2003 to 30<sup>th</sup> September 2004. The injury analysis covered the three preceding years 2001-2002, 2002-2003 & 2003-04 in addition to the POI.
- (xv) Copies of the Initiation Notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc. for wider circulation.

**C. Product under Consideration and Like Article:**

5. The original investigation covered the following forms of Oxo alcohols under the scope of the investigation at the initiation stage:

- (i) 2-Ethyl Hexanol
- (ii) Normal Butanol
- (iii) Iso Butanol
- (iv) Iso Octanol
- (v) Iso Decanol
- (vi) Normal Hexanol
- (vii) Heptanol
- (viii) Nonanol
- (ix) Tri Decanol
- (x) 2 Propyl Heptanol

In the preliminary finding dated 3.12.99, the Authority decided to restrict the investigation only to Normal Butanol, Iso Butanol, Iso Decanol, Iso Octanol, 2- Ethyl Hexanol and Normal Hexanol. The Authority decided to restrict the investigation to these types of Alcohols on the ground that these were the only forms which were either being produced by the domestic industry or being imported or both during the investigation period. This position was reiterated by the Authority in the final findings dated 17.7.2000.

Consequent upon the orders of the CESTAT (formerly CEGAT) in an appeal, Anti Dumping duty was made applicable on the following five forms of Oxo Alcohols:

- (i) Normal Butanol
- (ii) Iso Butanol
- (iii) 2-Ethyl Hexanol
- (iv) Iso Octanol
- (v) Iso Decanol

In the Mid term review findings notified vide Notification No.40/1/2001-DGAD dated 26.2.2004 (which were modified vide Corrigendum dated 16.3.2004) the Designated Authority recommended anti dumping duty on imports of Acyclic Alcohols (Oxo Alcohols) viz. 2EHA, NBA, IBA and Iso Octanol. In the present sunset review the Authority has treated product under consideration as: "Following Acyclic Alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives, known as Oxo Alcohols in the commercial and technical parlance and defined under customs sub-heading No. 2905 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975:-

- (i) 2-Ethyl Hexanol (2EHA)
- (ii) Normal Butanol (NBA)
- (iii) Iso Butanol (IBA)
- (iv) Iso Octanol”,

The subject goods are covered under Sub-Heading No.2905 of the First Schedule of the Customs Tariff Act. These classifications, however, are indicative only and are in no way binding on the scope of the present review investigation. It has been argued by the domestic industry that Indu Nissan Oxo Chemical Industries has resumed production and sale of Iso Decanol and therefore, this may be included within the scope of the product under consideration. Further, the Authority has treated Nonanol and Iso Nonanol as like article in the second investigation of Oxo Alcohols and therefore, Nonanol and Iso Nonanol should also be included in the scope of product under consideration. It has been argued by the exporter, M/s SABIC and importer viz. IPMA and Lubrizol India Pvt. Ltd. that since anti dumping duties are being applied at present only on 2EH, IBA, NBA and Iso Octanol, the scope of the Sunset Review will be restricted only to these four Oxo Alcohols. The Authority noted that M/s Indu Nissan had filed a letter dated 16.1.2005 informing that they have started commercial production in January 2005. The Authority found that M/s Indu Nissan had suspended production for a considerable period dating back to the year 1999. The period of investigation for this review is October 2003 to September 2004, during which Indu Nissan was not in production. Information regarding cost of production or any other injury parameter concerning Indu Nissan has neither been furnished nor is available. The authority does not find it justifiable to include Iso Decanol in the scope of product under consideration at this stage. As regards request of domestic industry to include Nonanol and Iso Nonanol, the authority is of the view that the present Sunset Review is to examine whether cessation of the existing anti dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. There is no existing anti dumping duty on Nonanol and Iso Nonanol as per the original investigation and the Mid-term Review. Thus the authority does not find any justification to include Nonanol and Iso Nonanol in the scope of the product under consideration. The Authority, therefore, has held the product under consideration as under:

“Following Acyclic Alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives, known as Oxo Alcohols in the commercial and technical parlance and defined under customs sub-heading No. 2905 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975:-

- (i) 2-Ethyl Hexanol (2EHA)
  - (ii) Normal Butanol (NBA)
  - (iii) Iso Butanol (IBA)
  - (iv) Iso Octanol”,
- (hereinafter referred to as subject goods)

There are no other arguments to the contrary as regards like article. The Authority, therefore, has held the Oxo Alcohols viz. 2EHA, NBA and IBA produced by the domestic industry as like article to the subject goods being imported from subject countries.

**D. Domestic Industry :**

6. Oxo Alcohols Industries Association represented the domestic producers, viz., Messrs Indu Nissan Oxo Chemical Industries Limited, Mumbai; National Organic Chemical Industries Ltd., Mumbai and Andhra Petrochemicals Ltd., Hyderabad in the original investigation. M/s. Indu Nissan Oxo Chemical Industries Ltd., Mumbai and M/s. NOCIL, Mumbai have suspended production of the subject goods. M/s Indu Nissan have stated to have resumed production in January 2005. However, no information regarding production details, costs, other injury parameters have been furnished for the POI as they were not in production during the period. M/s. Andhra Petrochemicals Ltd.(APL), Visakhapatnam continues to produce the subject goods. They represented the domestic industry in the Mid-term Review concluded vide final findings Notification dated 26.2.2004 and have also made the application for this Sunset Review. The Authority has considered the applicant M/s Andhra Petrochemicals Ltd. to represent the domestic industry in accordance with the Rules supra.

**E. Initiation of the Review, Responses received and Arguments raised:**

7. In response to the initiation, responses have been made by the following:

**a) Exporters:**

- (i) M/s Saudi Basic Industries Corporation (SABIC)- exporter and M/s Al Jubail Fertilizer Company (SAMAD and now known as Al Bayroni)-producer from Saudi Arabia,
- (ii) M/s BASF AG, Germany informed that they did not ship any of the products under investigation into India from the subject countries, before and after opening of the case and during the validity of the measures. However, as a formal procedure, BASF would like to reserve its right to lodge a newcomer review in case of future shipments.

**b) Importers/ Association:**

The following importers/Association filed responses:

- (i) Indian Plasticizers Manufacturers Association (IPMA)
- (ii) KLJ Plasticizers
- (iii) KLJ Polymers & Chemicals Ltd.
- (iv) Silvassa Plast
- (v) Lubrizol India Pvt. Ltd.
- (vi) PCL Oil & Solvents Ltd.

**c) Domestic Industry**

Domestic industry through M/s APL.

**F. EXAMINATION OF CLAIMS REGARDING NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.**



**8. Domestic Industry's arguments:**

- (i) It may be observed from the response filed by the exporter that export sales to India has increased seven times, whereas exports to third countries have declined. The production, closing stocks, captive transfer of the company has declined. This clearly shows intensified dumping and likelihood of further dumping should the present anti dumping duties be revoked.
- (ii) Exports are being made by SABIC to India below the associated normal value. SAMAD is procuring Propylene from its affiliated company. The transfer price considered is clearly apparent associated cost of production. Merely because the producer is able to procure Propylene at the cost of production of the affiliated supplier and because SABIC is not charging full commission (indirect SGA, interest and profit is much higher to the commission being paid), it can not be said that the product is not being exported to India below normal value.
- (iii) Petitioner has drawn attention to Article 2.4.2 and has stated that in the case of SABIC a comparison of weighted average normal value with the export price for the whole of the POI would not be appropriate in a situation where both the normal value and export price have significantly increased within the POI. Petitioner has requested that Designated Authority may determine monthly normal values for the months in which exports to India occurred and compare the same with the export price of the relevant period.
- (iv) Producers from Poland, South Korea, Indonesia, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union were dumping Oxo Alcohols in India. With the imposition of anti dumping duty on imports from these countries, producers in some of the subject countries stopped exporting to India, which clearly shows that these producers could not have exported to India without resorting to dumping. Some of the countries have continued exports to India. However, as would be seen from the estimates of normal value, these exports have been at dumped prices.
- (v) Efforts were made to obtain information about the prices of Oxo Alcohols prevailing in the domestic market of subject countries. However, no reasonable and authentic information could be obtained about the prices of Subject Alcohols in their domestic market. Petitioner also tried to get information about the prices at which the exporters from subject countries might have exported the product under consideration to Countries other than India. The petitioner has not been able to get any authentic information about these prices also.
- (vi) Petitioner has, therefore, determined normal value on the basis of constructed cost of Subject Alcohols in these countries,

**Likelihood of dumping - Factors suggesting likelihood of recurrence of dumping****Significant market share of imports:**

- (vii) Market share of subject imports is already significant. The imports from subject countries have increased. The imports from Saudi Arabia have increased significantly. SABIC is the only producer in Saudi Arabia. Sabic has increased its export sales to India as is observed from the response. The imports from Saudi Arabia have increased by 192 % even after imposition of duty. The imports from subject countries have increased by 8% in POI of present review investigation.
- (viii) In a situation where (a) reduction in anti dumping duties on imports from Saudi Arabia has resulted in steep increase in import volumes; (b) imposition of reasonable level of anti dumping duties has resulted in steep decline in the import volumes; and (c) imports are being reported for that type of alcohol from that country where either there is zero anti dumping duty or very low level of anti dumping duties, it follows that discontinuance of duty would result in flooding of subject goods in the Indian market.

**Level of current dumping margin**

- (ix) Estimates of dumping margin given in these submissions makes it evident that dumping margin from subject countries are not only more than prescribed limits, but also significant. In the previously concluded investigation also, the Designated Authority found significant dumping margin.

**Export orientation of foreign producers**

- (x) Exporters in the subject countries have built capacities far in excess of their domestic demand. Significant production is exported from these sources. As may be observed from the response filed by SABIC, the company has no domestic consumption. Entire production is meant for exports.

**Authority's Examination****Normal Value for Saudi Arabia**

9. The domestic industry had given estimates of Normal Value for Saudi Arabia in the application for Sunset Review. It has been argued by the exporter from Saudi Arabia and the importer that the domestic industry has adopted a different period for the price of major raw material Propylene and the consumption norm used is high leading to a very high normal value. Further the petitioner has adopted the price of Propylene for Saudi Arabia higher than EU and USA, whereas it should be the lowest for Saudi Arabia, being in Gulf, it does not have to incur the high cost of transportation. Further, for Saudi Arabia, the domestic industry has adopted the price as prevailing in South East Asia, which happened to be the highest. Further, these prices

are CFR i.e. delivered prices. The cost of transportation of Propylene from Gulf is quite substantial, about US\$ 200 PMT. The petitioner also did not use the data for Propylene price for the first six months of POI when the prices were considerably lower than the second half of POI during April – September 2004. For second raw material Syngas also, the petitioner has made an incorrect estimate on the basis of use of Naphtha in order to obtain Syngas. The producer in Saudi Arabia obtained Syngas from natural gas by reaction with steam. The petitioner has based the cost of other raw materials and conversion cost on the basis of the domestic industry's cost. The conversion cost of the domestic industry cannot be extrapolated to other countries without any evidence or justification.

10. M/s Saudi Basic Industries Corporation (SABIC), the exporter and M/s Al Jubail Fertilizer Company (SAMAD), Saudi Arabia, the producer have furnished questionnaire response. The company produces 2EHA. The authority has also conducted verification of the information of the producer and exporter at their plant and office in Saudi Arabia.

11. In response to the verification report and the disclosures, M/s SABIC and producer, M/s SAMAD gave comments raising following issues in the determination of normal value:

**(a) The adjustment towards freight on transport of Propylene**

The producer sought that the adjustment towards freight on transport of Propylene from Gulf to North East Asia may be revised from US\$ 150 to either US\$ 195 or at least \$170.

**(b) Normal Value has to be determined on the basis of export price to third countries**

The exporter had no domestic sale of the product under consideration and they had claimed third country export price to be considered as the basis for NV determination. The exporter has contested the reasoning of the DGAD for discarding the third country export price and to determine the normal value on the basis of cost of production (COP) plus SGA and profit. As per the exporter, COP has been adjusted by the authority and on the basis of revised COP, the ordinary course of trade test may be applied to third country export prices. As contended by the exporter, the export price to third country for determination of NV is not rendered unrepresentative because of any changes in the cost of production. The exporter has requested that NV may be determined on the basis of third country export price and it may be incorrect to discard this method and further, if exports to Korea and Pakistan or to any other third country are considered for normal value determination, it will prove that 2EHA was not at all dumped in India.

**(c) Profit figure used in CNV is incorrect**

As per the exporter, profit for the product concerned for exports to Korea may be taken or alternatively the profit margin of \*\*\*% instead of \*\*\*% determined by the authority be taken.

12. The issues raised by the exporter were examined in detail as under:

**i) The Cost of production for 2EHA**

As per the response, the producer/exporter did not make any domestic sales of 2EHA in Saudi Arabia. Exports are made by SABIC who furnished information regarding exports to India and to third countries viz. Iran, Pakistan, South Africa, Republic of Korea and Nepal. It had been informed by the company that one of the major raw materials i.e. Propylene is purchased from a related company at cost basis. The authority had sought information regarding sales by the affiliated company of Propylene to an independent / unaffiliated buyer. However, this information was not available and the exporter has informed that the related producer of Propylene has not made sales of Propylene to any independent or unaffiliated customers. The affiliated company has also not furnished its cost of production data. On verification of the information of cost of production it is found that the cost of propylene is a significant component of the cost of production of 2EH. The cost of propylene as reflected in the records of the producer could not be considered as these were procured from a related company and the records of cost of production of the producer did not reasonably reflect the cost of production of 2EH as per the requirement of para 1 of Annexure I of the Anti-Dumping Rules (article 2.2.1.1 of the AD agreement). As regards the cost of production of 2EHA, the cost of Propylene as per the producer's records has not been considered as it was purchased from affiliated company and did not reasonably reflect the cost of production. The producer instead provided ICIS LOR published prices as a basis for considering cost of Propylene, which have been used by the authority for determination of cost of production of 2EHA. The investment cost for procurement of Propylene which was part of the depreciation cost in SAMAD, has been excluded from the total depreciation allocated to the product. As regards marketing fee paid to the holding company SABIC on quantity sold, it is held as a part of total cost of sales and the same has been considered as a part of cost of sales. This is in line with the Article 2.2 of ADA whereby normal value is to be determined on the basis of cost of production in the country of origin plus a reasonable amount for administrative, selling & general costs and profits. For the purpose of comparison of NV with EP for dumping margin determination, however, adjustments have to be made from NV if the EP has been adjusted to exclude marketing fee.

The producer had claimed an element of freight of US\$ 195 PMT for transportation of Propylene from Gulf to North East Asia. The claim of the producer for adjustment of \$195 PMT was based on invoice of \*\*\* in respect of transport of Ethylene from Gulf to Taiwan in the month of February 2005. The adjustment of \$ 195 on account of freight from the average Propylene price of \$ 715.48 for the period October 2003 to September 2004 is a significant element of construction of cost. The domestic industry had challenged the very high adjustment of freight of \$ 195 PMT from ICIS LOR price. They had furnished some Shipping Services letter indicating a freight of \$ 80 PMT from Rastanura to Visakhapatnam. The authority also made some independent enquiries from other sources to ascertain freight for transport of Propylene from Gulf to India or North East Asia. There appeared considerable divergence in the transport rates being made available. The ICIS LOR reports for the period October 2003 to September 2004 furnished by the producer were used as useful reference and considered to be more reliable. The freight rates from these reports were given as \$ 70 PMT between Korea to South East Asia (April 2004), \$ 180 PMT between US to Asia (April 2004), \$ 220 PMT in August 2004 from US to Asia (April 2004), \$ 250 PMT in August 2004 from US to Asia, \$ 260 PMT in August 2004 from US to Asia and \$ 300 PMT from US to Asia in September 2004. On analysis of the rising trend of freight rates for transport of Propylene, it was felt that the adjustment of \$ 195 PMT on account of freight from Gulf to NE Asia sought by the producer, which was based

on an invoice of February 2005 (five months beyond POI), was on the higher side. It has been considered reasonable to adjust this freight to US\$ 150 PMT for the POI seeing the rising trend of freight. The cost of production was thus worked out after taking into account the objections of the producer and the revised cost of sales has been worked at US\$ \*\*\* PMT.

**ii) Normal Value has to be determined on the basis of export price to third countries**

As per Section 9A (1) (c) of the Act (Article 2.2 of the agreement), when there are no sales of the like article in the domestic market of the exporting country, the normal value can be determined either by the representative price of the like article when exported from the exporting country to an appropriate third country or on the basis of cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits. In this case the exporter has furnished information of exports of 2 EHA to other countries viz. Korea, Iran, Pakistan, Malaysia, South Africa and Nepal. The determination of normal value on the basis of exports to third countries gives rise to several issues viz., which is the appropriate third country, whether the price of the selected third country is representative. The selection of any appropriate third country and price thereof may lead to different results giving different normal values. Due to volatile raw material price of Propylene seen during the POI, the export prices to these countries have also seen significant differences during the POI. The Authority has held the view that selection of any particular third country would result in greater subjectivity. Moreover, it is also seen that the producer has also treated in its accounts the cost of Propylene procured from its related company on cost basis, which has not been accepted by the authority. This fact has also not been disputed by the producer. This methodology has also in some way affected the pricing decision of the exporter, though the exporter has disputed this. The authority also considered that, after all, the profitability of the producer SAMAD as reflected in the books of accounts is based on the reported methodology of reckoning the cost of the raw material. There is also no legal basis for the argument of the exporter that the normal value has to be determined on the basis of the third country export prices only in the absence of domestic sales. The relevant provision gives an option of determining normal value either on the basis of the third country export price or on the basis of the cost of production plus SGA and profits. There is no hierarchy between the two options. In the circumstances it has been felt appropriate to determine the normal value on the basis of cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits.

**iii) Profit figure used in CNV**

As regards profits, as per para 4 of Annexure I of Anti Dumping Rules (Article 2.2.2 of the ADA), the amount for profit shall be based on actual data pertaining to production and sales in the ordinary course of trade of the like product by the producer under investigation. The profit thus has to be determined based on sales made in the ordinary course of trade. The exporter has given transaction-wise details of sales made to all countries. After applying the ordinary course of trade test on export transactions to all countries (excluding India), the authority found the profit margin as \*\*\*\*%. In response to the disclosures, the exporter requested for considering profit as \*\*\*\*% instead of \*\*\*\*% as worked out by the Authority. The Authority found that there were discrepancies in the statement furnished by the exporter subsequent to verification and worked out the profit as per transactions details earlier provided by the exporter. The discrepancy being pointed out by the exporter was also very minor.

**13. Normal value for SABIC/SAMAD**

By adding to the cost of production plus SGA of \$\*\*\* the profit of %\*\*\*, the normal value is worked out as US\$ \*\*\* PMT.

**14. Normal value for EU, Poland, Russia, Iran and USA**

In response to the initiation of this review, none of the exporters from EU, Poland, Russia, Iran and USA have given information on the questionnaire. The domestic industry had furnished information regarding estimate of normal value at the time of making application for this review and in the written submissions subsequent to the public hearing. In support of their claim for normal value, they have relied on the price of major raw material Propylene as per published prices in ICIS LOR for the period of investigation. Cost of other raw material viz. Naphtha and conversion cost has been adopted as per the domestic industry's cost. The authority has checked the information to the extent reasonably possible. The domestic industry's cost of raw material and conversion cost have been verified and such verified cost has been suitably adopted for constructing the normal value. A reasonable profit margin has been added. In the absence of any questionnaire response from the exporters from EU, Poland, Russia, Iran and USA the Authority held the exporters from these countries as non-cooperative and was constrained to resort to facts available as per Rule 6(8) read with Article 6.8 and Annex II of the Anti Dumping Agreement.

The normal value has thus been determined as under:

Country	Constructed Normal Value \$PMT		
	2EHA	IBA	NBA
Iran	882.92	825.40	808.54
Russia	1050.82	905.97	806.43
EU	962.14	900.46	882.15
Poland	962.14	900.46	882.15
USA	952.45	891.28	873.15

**15. Export Price for Saudi Arabia**

M/s Saudi Basic Industries Corporation (SABIC), Exporter from Saudi Arabia has furnished questionnaire response. As per the response on Appendix 2, the exporter had shown nine transactions for total exports of \*\*\* MT of 2EHA exports to India. The exporter had shown details of adjustments in the Appendix 3A regarding Sales Price Structure viz. commission, overseas freight, overseas insurance, credit cost. The authority had conducted verification of exporter's data. Adjustments have been made on account of marketing fee of \*\*\*%, credit cost, surveyor and port charges, ocean freight, bank charges, insurance and documentation. The net export price has been arrived at US\$ \*\*\* PMT for 2EHA.

**16. Export Price for EU, Poland, Russia, Iran and USA**

None of the exporters from EU, Poland, Russia, Iran and USA had furnished questionnaire response or information regarding exports – quantity and price. DGCI&S provided data relating to imports of subject goods from subject countries. The import price as per DGCI&S data has been relied for determining the export price from these countries. Adjustments have been made

from the export price on account of ocean freight @ US\$ 30 PMT for Iran, US\$ 50 PMT for EU, US\$ 60 PMT for USA and US\$ 30 PMT for Russia based on best available information and reasonableness. Adjustments on account of insurance @ 0.5% of CIF, commission @ 3%, inland freight @ 1% and custom and port charges @ 1% have been made considering it reasonable and keeping in view the authority's previous experience in this regard. The following export price has been determined:

Country	Export Price \$PMT		
	2EHA	IBA	NBA
Iran	713	560	633
Russia	--	--	598
EU	508	626	630
Poland	--	--	--
USA	506	444	609

### Dumping Margin:

17. The Authority followed the consistent practice of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. As regards the argument of the domestic industry to make comparison of normal value and export price on month to basis, the authority found the request impractical on account of the fact that the normal value has been proposed to be determined on the basis of constructed cost taking the average price of major raw material Propylene for the whole POI. The non-availability of appropriate freight rate for Propylene for each month of POI was also a significant factor to dissuade the authority to determine normal value month-wise based on cost of production. The authority was of the view that in the methodology followed the variations in the prices of raw materials as well as in the export prices have been captured. The transaction-to-transaction comparison methodology is suited where there are comparable and contemporary transactions present in the home market sales in the exporting country and the exports transactions. In the present case there are no domestic sales of 2 EHA in Saudi Arabia. As per Article 2.4.2 the existence of margin of dumping shall normally be established on the basis of a comparison of a weighted average normal value with a weighted average of prices of all comparable export transactions. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level. Based on the Normal Value and export price as determined above the Authority has determined following dumping margins for different forms of Oxo alcohols by comparing normal value and export price of the similar type of Oxo Alcohols:

	2EHA	NBA	IBA
Iran	23.92	27.79	47.34
Russia		34.88	
EU	89.29	40.10	43.79
Poland			
USA	88.40	43.32	100.92
Saudi Arabia	5.30		

After determining dumping margin for individual type/form of oxo alcohol, the Authority has determined one dumping margin for each country as under:

	Dumping Margin %
Iran	33
Russia	34.9
EU	52.3
Poland	Nil
USA	78.5
Saudi Arabia	5.3

## G. INJURY TO THE DOMESTIC INDUSTRY

Issues raised by the domestic industry :

### 18. Assessment of injury – recurrence of injury to the domestic industry in the event of withdrawal of anti dumping duty.

Standards of Review: Indian legislation as also WTO Anti Dumping Agreement provides standards for conducting review investigation. Basic purpose of review provisions is that Anti Dumping Duties once imposed should not remain in force for indefinite period. Anti dumping duties should remain in force only till such time there is dumping or there is possibility of recurrence of dumping in case duties are revoked and there is injury to the domestic industry or revocation of Anti Dumping Duty would result in recurrence of injury to the domestic industry.

### 19. Article 11.1 to 11.3 of Anti Dumping Agreement are relevant

Indian legislation states that as per Rule 23, the Designated Authority shall, from time to time, review the need for the continued imposition of the anti-dumping duty and shall, if it is satisfied on the basis of the information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty recommend to the Central Government for its withdrawal.

Above provisions clearly show that in case it is found that there is no injury to the domestic industry, Designated Authority should examine whether the revocation of duty would result in recurrence of injury.

### 20. Cumulative assessment of injury

The exporters from more than one country are dumping the subject goods in the Indian market. Followings are relevant for cumulative assessment of injury in this regard:-

- the margins of dumping from subject countries are more than the limits prescribed above.
- the domestic product and product supplied by producers in various countries are like articles. It has been confirmed by the Designated Authority also in earlier investigations;
- imported products and domestically produced subject goods are interchangeable and are being interchangeably used;



- (d) products supplied by various producers in subject countries are being marketed in India during the same periods through comparable sales channels and under similar commercial conditions;
- (e) the domestic industry and exporters in the subject countries are selling the product to the same category of consumers.

Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

## 21. Potential situation:

The foreign producers continue to dump the subject goods in the Indian market even after imposition of antidumping duty. The dumping margin is significant also. Domestic industry therefore submits that discontinuance of anti dumping duty would lead to injury to the domestic industry. Therefore, revocation of anti dumping duties would inevitably result in increase in dumping.

## 22. Causal link

Injury to the domestic industry is being caused by the dumped imports. While the previous injury was caused by the dumped imports, possible revocation of anti dumping duty would result in recurrence of injury due to dumped imports. It may be seen that listed factors as per Article 3.5 have not caused injury to the domestic industry, as established below:-

- (a) Volume and value of imports not sold at dumping prices: - domestic industry has provided information on volume and value of imports from all countries, including countries under investigation and countries not under investigation. It would be seen that (i). volumes of imports from other countries are de-minimus, (ii) there are no imports from other countries except Indonesia, which was earlier attracting duty, (iii) imports from other countries, which are having significant shares already attracting antidumping duties.
- (b) Contraction in demand:- The injury statement provided by the domestic industry along with these submissions contains sufficient information with regard to demand of the product under consideration over the entire injury period. It would be seen that the demand of the product under consideration has registered a positive growth. Thus, contraction in demand is not a possible reason, which could have contributed to injury to the domestic industry.
- (c) Changes in the patterns of consumption: - The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. Changes in the pattern of consumption could not have, therefore, contributed to the injury to the domestic industry.
- (d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers: - There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.
- (e) Developments in technology: - Technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

(f) Export performance of the domestic industry: - The domestic industry is not exporting subject goods.

(g) Productivity: - Productivity of the domestic industry, as measured in terms of production per manpower has increased.

**23. Factors establishing causal link:** - While the above parameters establish that the claimed injury to the domestic industry is not caused by other factors listed under the Agreement, domestic industry submits that the following parameters establish that the injury to the domestic industry would be caused by the dumped imports in case of revocation of anti dumping duty.

- i. Landed price of imports would be significantly lower than selling price of the domestic industry in the event of revocation of antidumping duty, resulting in significant price undercutting. As a direct consequence, the domestic industry would either be forced to reduce the selling price or loose sales volumes. It would be important to note that the consumers vehemently argue that they would source the product at lowest prices, citing their low level of margin;
- ii. Given the price undercutting, the domestic industry would be faced with injury as a result of revocation of anti dumping duty, as the domestic industry would have limited options to face the competition created by the dumped imports, or looses sales volumes.
- iii. Subject goods continues to be dumped in the Indian market by the producers and/or exporters in subject countries resulting in continued dumping;
- iv. The dumping margin has remained significant despite antidumping duty in force. The injury to the domestic industry is being caused by the dumped imports from subject countries.
- v. Revocation of present duty would lead to injury to the domestic industry as a result of continued dumped imports;
- vi. Anti dumping duties in fixed form are required to be continued further for a further period of five years;

**24. Submissions of exporter/producer M/s SABIC and SAMAD, Saudi Arabia, Indian Plasticizers Manufacturers association (IPMA) and Lubrizol India Pvt. Ltd. (Importers)**

- i. As per the initiation notice the injury analysis covers the period 2001-02 to the POI. It is seen from the non-confidential version of the petition that the total sales of APL have increased from 77.53 in 2001-02 to 119.98 in the POI. The increase is about 55. The increase has to be studied not per product but for the company as a whole because APL has a swing plant and can produce any of the three products.
- ii. The Cost of production has increased marginally whereas the selling prices have shown substantial increase. This has resulted in the loss of (933.64) in 2001-02 becoming a profit of +923.95 in the POI. Thus, there is no price depression or suppression.
- iii. The production has also increased significantly from 80.44 to 125.49, an increase of 56%. Such a significant increase cannot be an indicator of injury.

- iv. The demand for the product has fallen from 103.71 to 94.76. However, in this demand fall scenario the market share of the domestic producer has increased from 39.51% to 66.92%. Thus, there is absolutely no indication of injury at all.
- v. No injury has been indicated by the number of employees or the productivity. Further, the capacity utilization has also jumped from 76.95% to 110.81%.
- vi. Cash flow position has improved from -110.94 to a whopping +697.74, indicating the healthy status of the domestic industry. Wages have also significantly increased from 111.61 to 139.73 i.e. an increase of 25%.
- vii. The closing stock shows a significant increase. The reasons for this need to be analyzed by the Designated Authority, in particular whether it is because of the status on a particular date and more so when production, sales and market share have gone up substantially.
- viii. The return on investment has shown a negative trend through out. This is more surprising as the company has reported a profit and also healthy positive cash flow from operations. Further, the index numbers clearly show that the selling prices are above the total cost of production. It is not known how and why the ROI is negative. The Designated Authority is requested to examine this claim. In any case, even after the operation of the anti-dumping duty for about 4 years, if the domestic industry is not in a position to show positive ROI it shows that the injury on this count is due to factors other than the alleged dumping.
- ix. In sum, the data shows that there is no material injury. The petitioner has not shown anywhere how the injury is likely to recur if the anti-dumping duty is removed. Thus, the sunset review has to be terminated on the ground that there is neither present injury nor likely recurrence if the duty were removed.

## 25. Analysis of injury parameters:

The authority has analyzed the injury information in respect of various injury parameters of domestic industry as under.

## 26. Import Volumes:

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Poland	MT	263	0	0	0
S. Arabia	MT	1488	657	5909	7807***
Iran	MT	398	748	431	1051
USA	MT	7333	7362	9148	3955
Russia	MT	0	0	50	561
EU	MT	560	1157	0	947
Total Subject Countries	MT	10042	9924	15538	14322
Trend	Indexed	100	99	155	143
Other Countries	MT	0	0	0	7630
Trend	Indexed	0	0	0	100
Total Imports	MT	10042	9924	15538	21952

The authority found that the imports from subject countries have increased in absolute terms.

**27. Output, capacity and capacity utilization:**

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Capacity	MT	36000	39000	39000	39000
Capacity utilization	%	77	106	106	111
Trend	Indexed	100	137	137	144
Production	MT	27702	41211	41256	43214
Trend	Indexed	100	149	149	156
2EHA	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	145	152
NBA	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	222	173	172
IBA	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	115	143

It is found that the domestic industry increased the capacity utilization to 111% during POI and increased the production to 43214 MT during POI registering a growth of 56% from year 2001-02.

**28. Sales:**

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Total sales	MT	27093	38429	42103	41926
Trend	Indexed	100	142	155	155
2EHA	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	122	139	151
NBA	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	196	186	167
IBA	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	186	146

The authority noted that sales of domestic industry increased to 41,926 MT during POI from 27,093 MT during 2001-02 showing a growth of 55%.

**29. Demand and market share:**

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
<b>Demand</b>	MT	41534	48353	57641	63878
Trend	Indexed	100	116	139	154
Sales of petitioner	MT	27093	38429	42103	41926
sales of other Indian producers*	MT	4399	0	0	0
Imports from subject countries	MT	10042	9924	15538	14322
Imports from other countries	MT	0	0	0	7630
<b>Market share in demand</b>					
Domestic Industry	%	65.23	79.48	73.04	65.63
Trend	Indexed	100	122	112	101
Other Producer	%	10.59	0.00	0.00	0.00
Trend	Indexed	100	0	0	0
Subject Countries	%	24.18	20.52	26.96	22.42
Trend	Indexed	100	85	111	93
Other Countries	%	0.00	0.00	0.00	11.94
Trend	Indexed	0	0	0	100

The authority found that demand of the subject goods had increased to 63,878 during POI from 41,534 MT during 2001-02 showing a growth of 54%. The share of domestic industry was about 65% showing no change from year 2001-02, though in the intervening years, the share of domestic industry had risen to 79 and 73%. The share of imports from subject countries declined marginally to 22.42% during POI from 24.18%. In the POI, the share of imports from other countries in total demand was about 12%.

### 30. Profitability:

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
<b>Cost of Production</b>					
2EHA	Rs./MT	***	***	***3	***
Trend	Indexed	100	100	102	105
NBA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	102	105
IBA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	107	125
<b>Selling Prices</b>					
2EHA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	135	121	129
NBA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	109	108
IBA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	98	112
<b>Profit/Loss</b>					
2EHA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	67	-10	5
NBA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	1796	489	323
IBA	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	35	-183	-236
<b>Profit/Loss as per balance sheet</b>	Rs.lacs	-933.64	2866.19	940.97	923.95

The cost of production of domestic industry showed an increase in trend. However, the selling prices also showed higher increase in trend. The profitability of the domestic industry improved during the POI. The profitability of the domestic industry improved significantly with reference to a situation of loss during the year 2001-02.

### 31. Cash Flow:

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Cash Flow from operations	Ra. Lacs	-110.94	2221.15	1142.11	697.74
Trend	Indexed	-100	2002	1029	629
<b>Cash Losses</b>					
Cash Profit / ( Loss)	Rs. Lacs	226.84	4014.37	2108.79	2065.56
Trend	Indexed	100	1770	930	911

The cash flow position of domestic industry improved during the POI and also in the intervening years in comparison to year 2001-02.

### 32. Inventories:

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Closing Stock – Total	MT	891	3673	2826	2227
Trend	Indexed	100	412	317	250
Inventory as %age of production	%	3.21	8.91	6.85	5.15

The inventories of the domestic industry did not show any appreciable increase as it was about 5% of production during the POI.

### 33. Productivity:

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	103	100
Productivity	MT/No	100	145	145	155
Trend	Indexed	100	146	145	156

The productivity of the domestic industry improved significantly during the POI.

### 34. Return on Investment:

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Net Fixed assets	Rs. Lacs	13420	12110	10936	10382
Working Capital	Rs. Lacs	3023	4258	3252	3613
Capital Employed	Rs. Lacs	16443	16368	14189	13995
Profit / ( Loss) Before Interest	Rs. Lacs	***	***	***	***
Return on capital employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	2804	1102	1189

The return on capital employed showed significant improvement from the year 2001-02.

### 35. Employment:

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	MT	100	102	103	103

The employment of the domestic industry did not show any appreciable change.

**36. Wages:**

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Wages paid to employees	Rs. Lacs	358.81	382.44	456.28	449.22
Trend	Nos.	100	107	127	125

The wages of the domestic industry showed increase in trend which was normal for the industry.

**37. Growth:**

Particulars	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct 03 to Sep 04
Production	%	-	48.77	0.11	4.75
Sales Volume	%	-	41.84	9.56	-0.42
Total Imports from Subject country	%	-	-1	57	19
Market Share of Domestic Industry	%	-	22	-8	-5

The production of the domestic industry showed healthy growth. Overall the sales also showed growth, though in the POI there was a marginal decline of 0.42% over the previous year.

**38. Price undercutting, price suppression and depression:**

	Saudi Arabia	
	2EHA	NBA
CIF Export Price	***	***
Landing Charges	***	***
Assessable Value	***	***
Customs Duty 20%	***	***
Landed Value	***	***
Selling Price of the Domestic industry	***	***
Undercutting	(***)	(***)
Undercutting %	(15-25)	(6-15)
NIP	***	***
Injury margin	(***)	(***)
Injury Margin %	(3-13)	(2-12)

	Iran		
	2EHA	IBA	NBA
CIF Export Price	***	***	***
Landing Charges	***	***	***
Assessable Value	***	***	***
Customs Duty 20%	***	***	***
Landed Value	***	***	***
Selling Price of the domestic industry	***	***	***
Undercutting	***	***	***
Undercutting %	(6-15)	(7-16)	(8-17)
NIP	***	***	***
Injury margin	***	***	***

Injury margin %                      0-10              5-15              (0-10)

	EU		
	IBA	2EHA	NBA
CIF Export Price	***	***	***
Landing Charges	***	***	***
Assessable Value	***	***	***
Customs Duty 20%	***	***	***
Landed Value	***	***	***
Selling Price of the domestic industry	***	***	***
Undercutting	***	***	***
Undercutting %	(20-30)	15-25	(5-15)
NIP	***	***	***
Injury margin	***	***	***
Injury margin %	(4-14)	20-30	(3-13)

	USA			Russia
	2EHA	IBA	NBA	NBA
CIF Export Price	***	***	***	***
Landing Charges	***	***	***	***
Assessable Value	***	***	***	***
Customs Duty 20%	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***
Selling Price of the domestic industry	***	***	***	***
Undercutting	***	***	***	***
Undercutting %	15-25	5-15	(5-15)	(0-10)
NIP	***	***	***	***
Injury margin	***	***	***	***
Injury margin %	20-30	20-30	(0-10)	0-10



In the disclosure statement dated 21.11.2005, the authority had considered all the export transactions/volumes for injury analysis including price undercutting and price underselling. It was represented by the domestic industry that some of the exports made by Saudi exporter at the fag end of POI i.e. towards the end of September 2004 would not have been cleared from Customs and therefore, should not be considered for comparison for the purpose of price undercutting and injury margin. The arguments of the domestic industry was mainly on account of the reason that the export price of Oxo Alcohols had shown rising trends during POI and were at the highest towards the end of POI and therefore, may not lead to proper comparison. The authority had considered these arguments and had issued revised disclosure on 9.1.2006 partially amending the level of price undercutting and injury margin on account of exclusion of two shipments by the Saudi exporter made towards end of September 2004. In response to the revised disclosure, the Saudi exporter has contested the exclusion on the grounds inter alia that in respect of one of the shipments, the bill of entry had been filed on 30.9.2004 and therefore, technically, the imports had been made within the POI. Further, it has been argued that the authority has been consistently taking all the transactions/volumes of imports both for dumping and injury purposes. Merely because some exports have been made at higher price should not result in its exclusion. The authority after considering the arguments has considered it appropriate to make injury determination as regards price undercutting and price underselling taking into account all the export transactions/volumes that have been considered for dumping determination. The authority found that the selling price of domestic industry showed an increasing trend, though the cost of production also showed increase. However, the increase in selling price was greater in comparison to increase in cost of production. Price suppression or price depression was not evident. The price undercutting in respect of imports from Saudi Arabia, Iran, Russia, IBA and NBA from EU and NBA from USA was negative. There was marginal price undercutting in respect of 2EHA imports from EU and 2EHA and IBA imports from USA. Overall the price undercutting was negative.

The non-injurious price of the domestic industry was compared with the landed value of imports of subject goods from subject countries and it was found that the price underselling was negative in respect of Saudi Arabia, NBA from Iran, IBA and NBA from EU, NBA from USA. There was price underselling in respect of 2EHA and IBA from Iran, 2EHA from EU, 2EHA and IBA from USA and NBA from Russia.

### **39. Overall assessment of injury:**

The authority found that the parameters like output, sales, market share and productivity have shown improved performance by the domestic industry during the POI. The capacity utilization has increased to 111% in comparison to 77% during 2001-02. Sales have increased by 55% during POI from 2001-02. Inventories have not increased much in relation to the increased production. These are at 5% during the POI. The profitability of the company has improved significantly from the year 2001-02. From a position of loss it has now become profitable. Though in the intervening year of 2002-03 the company had higher profits. The market share of the imports from subject countries in total demand has declined to 22.42% during POI from 24.18% during 2001-02. The share of domestic industry in demand has remained about 65% though in the year 2002-3 it had risen to 79.48%. The exports from subject countries were found to be dumped with a dumping margin ranging from 5% to 78%. The cash flow position has improved. Return on investment has improved. Productivity has improved significantly. Overall the condition of the domestic industry has improved during the POI. The price undercutting from Saudi Arabia, Iran & Russia is negative. Only from EU and USA there is price undercutting in respect of 2 EHA and IBA.

The price underselling is not evident from S. Arabia. Though in some types there is some price underselling from Iran, EU, USA and Russia.

**40. Likelihood of recurrence of dumping and injury:**

From the examination of evidence, the authority found that imports have continued from Saudi Arabia, Iran, USA, Russia and EU. There were no imports from Poland. The dumping margin in respect of cooperating exporters from Saudi Arabia was found at 5.3%. In respect of Iran, USA, Russia and EU, the dumping margin based on the facts available was found in the range of 33 to 78%. The authority thus found that dumping continues from these countries. The position of domestic industry has improved over the years and during the POI. The domestic industry earned net profit as per Balance Sheet of Rs.92.39 million during POI. The selling price of the subject goods have shown rising trend. Due to the rising crude prices, the prices of subject goods have shown overall rising trends during the last two years. The anti dumping duty recommended and imposed as per Notification No.57/2004-Customs dated 20th April 2004 was as a reference price. The prevailing imports are at substantially higher prices. With the incidence of the normal custom duty, the landed value of imports is much above the reference price recommended as per the existing notification dated 20th April 2004. There is no evidence brought forward which suggests that imports may intensify to a great extent. Despite the evidence of dumped imports during the POI of the review, there is no evidence of current injury to the domestic industry. The authority does not foresee any likelihood of recurrence of injury to the domestic industry in case the present notification imposing anti dumping duty as a reference price is withdrawn.

**H. CONCLUSIONS**

41. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that in the sunset review investigation:

- (i) Subject goods have been exported to India from Saudi Arabia, Iran, USA, Russia and EU below its normal value and thereby resulting in dumping; however there was no evidence of dumping of subject goods from Poland.
- (ii) The domestic industry has not suffered material injury as a result of dumping from Saudi Arabia, Iran, USA, Russia and EU;
- (iii) There is no likelihood of recurrence of injury in case the anti dumping duty imposed on imports from Saudi Arabia, Iran, USA, Russia, Poland and EU is withdrawn.

42. The Authority, therefore, in accordance with Section 9A (5) of the Customs Tariff Act 1975 as amended, recommends withdrawal of anti dumping duty imposed on imports of Acyclic Alcohols (Oxo Alcohols) viz. 2EHA, NBA, IBA and Iso Octanol from Poland, Saudi Arabia, Russia, Iran, USA and European Union falling under Sub Heading 2905 of first schedule of the Customs Tariff Act as per Authority's recommendations in mid term review final findings dated 26.2.2004 and Custom's Notification No. 57/2004-Customs dated 20<sup>th</sup> April, 2004.

43. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority